RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्या : RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -04 | अंक -198 | मुल्यः 2.00 रू. | अलवर, बुधवार 2 अक्टूबर, 2024 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 10

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram: Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

मंदिर हो या दरगाह सड़क के बीच धार्मिक निर्माण हटाना ही होगाः सुप्रीम कोर्ट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सबसे जरूरी है। अगर कोई भी धार्मिक ढांचा, चाहे वो मंदिर हो, दरगाह हो या गुरुद्वारा, अगर सड़क, पानी या रेलवे लाइन पर कब्जा करता है तो उसे हटाया जाना चाहिए। सर्वोच्च कोर्ट ने जोर देकर कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। बुलडोजर एक्शन और अतिक्रमण विरोधी अभियान सभी नागरिकों पर लागू होंगे, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें क्राइम केस में आरोपी लोगों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। इस कार्रवाई को 'बुलडोजर जस्टिस' नाम दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह संपत्तियों को ध्वस्त किए जाने के मुद्दे पर सभी नागरिकों के लिए दिशा निर्देश जारी करेगा। इसके साथ ही कोर्ट ने उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिनमें आरोप लगाया गया है कि कई राज्यों में आरोपियों की संपत्ति ध्वस्त की जा रही हैं। कोर्ट ने कहा कि उसके दिशा निर्देश पूरे भारत में लागू होंगे। यह स्पष्ट कर रहा है कि किसी व्यक्ति का महज आरोपी या दोषी होना संपत्ति के ध्वस्तीकरण का आधार नहीं हो सकता।

किसी खास धर्म के लिए अलग कानून नहीं: सुप्रीम कोर्ट

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हम जो कुछ भी तय कर रहे हैं। सभी नागरिकों, सभी संस्थानों के लिए इसे जारी कर रहे हैं न कि किसी खास समुदाय के लिए। किसी खास धर्म के लिए अलग कानून नहीं हो सकता है। वह सार्वजनिक सड़कों, सरकारी जमीनों या जंगलों में किसी भी अनधिकृत निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। कोर्ट ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि हमारे आदेश से किसी भी सार्वजनिक स्थान पर अतिक्रमण करने वालों को मदद न मिले।

आरोपी या दोषी होना संपत्ति ध्वस्त करने का आधार नहीं

पीठ ने मामले पर सुनवाई के बाद कहा कि आदेश सुरक्षित रखा जाता है। कोर्ट ने आगे कहा कि इस मामले में फाइनल डिसीजन लेने तक बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगा। इससे पहले, कोर्ट ने कहा था कि अगर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला है तो यह हमारे संविधान के मूल्यों के विरुद्ध है। अदालत ने कहा कि वह यह स्पष्ट करेगी कि किसी अपराध में आरोपी होना संपत्ति को ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता।

पीठ ने पूछा- क्या दोषी की संपत्ति गिरा सकते हैं

मेहता ने पीठ को बताया कि उनके पास विध्वंस अभियान पर अखिल भारतीय दिशा-निर्देशों पर कुछ सुझाव हैं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति पर अपराध में शामिल होने का आरोप लगाया जाना विध्वंस का आधार नहीं हो सकता। इस पर पीठ ने पूछा, अगर व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो क्या यह संपत्ति के विध्वंस का आधार होगा। इस पर मेहता बोले, नहीं, बिल्कुल नहीं और यहां तक कि जघन्य अपराधों के लिए भी नहीं।

नोटिस रजिस्टर्ड पोस्ट से भेजें, 10 से 15 दिन का समय दें

पीठ ने कहा कि संपत्तियों को ध्वस्त करने के लिए नोटिस पंजीकृत डाक के माध्यम से मालिकों को भेजे जाने चाहिए। इसे ऑनलाइन पोर्टल पर भी रखा जा सकता है ताकि डिजिटल रिकॉर्ड हो सके। साथ ही अधिकारियों के पारित आदेश की सत्यता पर न्यायिक निगरानी की भी जरूरत होगी। पीठ ने सुझाव दिया कि विध्वंस आदेश और उसके क्रियान्वयन के बीच 10 या 15 दिनों का समय होना चाहिए ताकि लोग वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें। पीठ ने कहा कि बच्चों व महिलाओं को सड़क पर देखना दुखद होता है। अगर संपत्ति को 10-15 दिन में गिराया जाता है तो बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा।

बुलडोजर एक्शन पर अंतरिम रोक जारी रहेगी

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि यह केवल नागरिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में ही किया जा सकता है। अदालत ने बिना अनुमति के किए गए विध्वंस पर अंतरिम रोक बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 'बुलडोजर न्याय' पर अपनी स्थिति दोहराई और कहा कि केवल आरोप या जघन्य अपराध के लिए दोषी ठहराया जाना संपत्ति को ध्वस्त करने का आधार नहीं हो सकता है।

अनाधिकृत निर्माणों के लिए बना कानून धर्म या आस्था पर निर्भर न हो

पीठ ने कहा कि हमें सिर्फ नगर निगम कानूनों के दुरुपयोग की चिंता है। यदि दो ढांचे कानून का उल्लंघन करते हैं और केवल एक को गिराया जाता है तो यह चिंता की बात है। कानून अनधिकृत निर्माणों के लिए होना चाहिए और यह धर्म या आस्था पर निर्भर न हो। पीठ ने कहा, नगर निगमों, नगर पंचायतों के लिए अलग-अलग कानून होंगे और जागरूकता के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया जा सकता है। यूपी सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मध्य प्रदेश में हिंदुओं की भी कई अवैध निर्मित संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया। पीठ ने कहा कि वह अतिक्रमण को बढ़ावा नहीं दे रही।

देश के नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि देश के नागरिकों की सुरक्षा हमारे लिए सबसे ऊपर है, सड़क, जल निकायों या रेल पटरियों पर अतिक्रमण करने वाले किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना चाहिए, सुनवाई के दौरान सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता यूपी सरकार, मध्य प्रदेश और राजस्थान की तरफ से पेश हुए उन्होंने कहा, "मेरा सुझाव है कि रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए

लाखों का कर्ज, घर-गाड़ी तक बेची

एक ही परिवार के 4 लोगों ने खाया जहर, 3 की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बीकानेर

कर्ज के बोझ से दबे एक परिवार ने जहर खाकर इहलीला समाप्त कर ली. दिल दहलाने वाला यह मामला राजस्थान के बीकानेर जिले से सामने आया है. जहां मंगलवार को एक ही घर में तीन शव मिलने से सनसनी फ़ैल गई. हौरान करने वाली यह घटना बीकानेर के जेएनवीसी इलाके से सामने आई. जहां एक परिवार ने सामूहिक रूप से जहर खा लिया है. इसमें तीन सदस्यों की मौत हो गई है. वहीं एक का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है. घटना जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र के सेक्टर पांच केसी 42 की है. पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 44 वर्षीय राहुल मारू, उसकी पत्नी रूचि मारू व पुत्र आराध्य मारू के रूप में हुई है. वहीं राहुल का सबसे छोटा बेटा गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है. मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है. पुलिस के अनुसार कर्ज की वजह से ये भयावह कदम उठाया गया है. घटना की सूचना पर आईजी ओमप्रकाश पासवान, एसपी कावेंद्र सागर, एडिशनल एसपी दीपक शर्मा सहित थानाधिकारी सुरेंद्र पचार टीम सहित मौके पर पहुंचे. वही एसएफएल जांच टीमें भी पहुंची. शवों को मोर्चरी रखवाया गया है. एक साथ एक ही परिवार के तीन लोगों के आत्महत्या की इस घटना की जानकारी मिलते ही घर के बाहर खासी भीड़ जुट गई है. पुलिस ने मृतकों के घर से एक सुसाइड नोट बरामद किया है. जिसमें पत्नी की बीमारी पर कर्ज की बात भी सामने आ रही है. हॉस्पिटल में इलाजरत परिवार के इकलौते सदस्य चैतन्य ने बताया- रात को पापा ने दवा दी थी. मैंने भी दवा ली थी, जिसके बाद मुझे उल्टी हुई. फिर नींद आ गई. सुबह 10 बजे मेरी आंख खुली तो मम्मी-पापा और बहन बेड पर पड़े थे. उनके मुंह से खून आ रहा था. बेटे ने बताया कि इसके बाद मैंने बुआ मनीषा और फूफा अशोक मारू को फोन करके बुलाया. मकान मालिक अभिषेक भी पास में ही रहते हैं. पड़ोसी भी आ गए. इसके बाद पुलिस को सूचना दी. बताया गया कि राहुल पत्नी के इलाज में बुरी तरह से कर्ज में डूब गया था. कर्ज के कारण उसने अपना घर और गाड़ी तक बेच दी थी. उनकी पत्नी रुचि को कुछ समय पहले ब्रेन हेमरेज हो गया था. रुचि की बीमारी पर खर्च के कारण राहुल ने करीब 60 लाख रुपए का लोन लिया था. घर, गाड़ी सहित अन्य सामान बेचने के बाद कर्ज पूरा नहीं हुआ. देनदार लगातार उसे परेशान कर रहे थे.

राजस्थान में अवैध 'जल कनेक्शन' पर होगी कार्रवाई, 5 अक्टूबर से चलेगा जलदाय विभाग का अभियान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान में पीने की पानी की समस्या सबसे अहम मुद्दा है. वहीं जलदाय विभाग द्वारा लगातार पीने के पानी की समस्या को दूर करने की कोशिश में लगा है. हालांकि पानी को लेकर कई अवैध कार्य भी हो रहे हैं, इस वजह से भी लोगों का काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. क्योंकि पीने के पानी की चोरी की जाती है. ऐसे में अब जलदाय विभाग द्वारा अवैध जल कनेक्शन लेने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए जलदाय विभाग द्वारा कार्रवाई की तैयारी की गई है. साथ ही अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी. जलदाय विभाग द्वारा अब अवैध जल कनेक्शन वालों के खिलाफ अभियान चलाने की तैयारी की है. प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने कहा है कि अवैध कनेक्शन को चिन्हित कर अवैध जल कनेक्शन करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु 5 अक्टूबर से अभियान चलाया जाएगा. उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रभावी एक्शन लिया जाना सुनिश्चित करें एवं अवैध जल कनेक्शन करने वाले उपभोक्ताओं का जल कनेक्शन का नियमितिकरण भी किया जाए. प्रमुख शासन सचिव सावंत ने कहा कि पानी की चोरी एवं अवैध कनेक्शन की लगातार शिकायतें मिल रही हैं. कई शहरों में हजारों की संख्या में अवैध जल कनेक्शन चिन्हित हो चुके हैं, उनके अनुपात में अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई

काफी कम हुई है. उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राइजिंग मैन लाइन एवं वितरण लाइन से सभी अवैध कनेक्शन को अभियान से पूर्व चिन्हित कर लिया जाए. उन्होंने कहा कि अवैध कनेक्शन धारक के विरूद्ध पी.डी.पी. एक्ट के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई जाए. प्रमुख शासन सचिव ने जयपुर शहर में लंबित पेयजल कनेक्शन का निस्तारण शीघ्र करते हुए अधिशाषी अभियंता स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए. उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अधिकारी एवं कार्मिक द्वारा लापरवाही की जाती है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने नए जल कनेक्शन के ऑनलाइन आवेदन के पश्चात कनेक्शन होने तक के कार्यों का प्रत्येक स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए. जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने एफएचटीसी की गति बढ़ाने के निर्देश दिए.

राजस्थान में आरक्षण को लेकर हुआ बड़ा संशोधन, जारी हुआ सीधी भर्ती में महिलों को 33 प्रतिशत आरक्षण का आदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने महिला आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला किया है. दिवाली से ठीक पहले राजस्थान सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है.

सरकार ने महिला आरक्षण को लेकर संशोधन किया है जिसका लाभ पुलिस विभाग में सीधी भर्ती में महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा. इसे लेकर सरकार की ओर से आदेश भी जारी कर दिया गया है. कार्मिक विभाग द्वारा आदेश जारी करते हुए इस बारे में जानकारी दी है. नोटिफिकेशन के मुताबिक, राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम-1989 में संशोधन करते हुए सीधी भर्ती में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया है. यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत किया गया है. इन नियमों को राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा (संशोधन) नियम, 2024 कहा जा सकता है. संशोधित नियम में कहा गया है कि नियम 7बी के तहत महिला के लिए सीधी भर्ती में रिक्तियों का आरक्षण कैटगरी वाइज 33 प्रतिशत होगा. जिसमें एक तिहाई विधवाओं और तलाकशुदा महिला उम्मीदवारों के लिए 80.20 के अनुपात में रिक्त स्थान होगा. किसी विशेष वर्ष में विधवा या तलाकशुदा, पात्र और उपयुक्त उम्मीदवारों की अनुपलब्धता की स्थिति में, रिक्तियों को पहले इंटरचेंज, टीई, विधवाओं से तलाकशुदा या इसके विपरीत के लिए आरक्षित रिक्तियों से भरा जा सकता है. पर्याप्त विधवा और तलाकशुदा उम्मीदवारों की उपलब्धता, अप्राप्त रिक्तियां उसी श्रेणी की अन्य महिलाओं द्वारा भरी जाएंगी और योग्य और उपयुक्त महिला उम्मीदवारों की अनुपलब्धता की स्थिति में, उनके लिए आरक्षित रिक्तियां पुरुष उम्मीदवार द्वारा भरी जाएंगी. वह श्रेणी जिसके लिए रिक्ति आरक्षित है. महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्ति को अगले वर्ष के लिए आगे नहीं बढ़ाया जाएगा, जिसमें विधवा और तलाकशुदा महिलाएं भी शामिल हैं. यहां तक कि श्रेणी की सामान्य योग्यता में चयनित महिलाओं को भी पहले महिला कोटे में समायोजित किया जाएगा. अधिसूचना में आगे बताया गया है कि, भले ही सेवा में शामिल किसी भी पद के लिए महिलाओं के लिए आरक्षण 30% से अधिक हो, विधवा और तलाकशुदा उम्मीदवारों के लिए आरक्षण, श्रेणी के अनुसार कुल रिक्तियों के क्रमशः 8% और 2% से अधिक नहीं होगा.

भारतीय वायुसेना देश के दुश्मनों को उनके घर में मार गिराने में सक्षमः राजनाथ सिंह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारतीय वायुसेना दूर देश के दुश्मनों को उनके घर में मार गिराने में सक्षम है। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नेशनल वार मेमोरियल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर जोर देते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' दृष्टिकोण को मूर्तरूप देने की दिशा में सरकार ने अपनी पूरी प्रतिबद्धता दिखाई है। देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को भारतीय सेनाओं में भर्ती होकर अपनी सेवाएं देनी चाहिए, ताकि उनका जीवन देश की सेवा, शौर्य और गौरव से ओतप्रोत रहे। रक्षा मंत्री ने कठिन परिस्थितियों में वीरता, प्रतिबद्धता और देशभक्ति के साथ वायुसैनिकों की भारत माता की सेवाओं के लिए जोरशोर से प्रशंसा की। रक्षा मंत्रालय ने रक्षा मंत्री के हवाले से बताया कि भारतीय वायुसेना ने अपने देश और लोगों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह दुश्मन के क्षेत्र में

अंदर तक घुसकर मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम वायुसेना को अत्याधुनिक युद्धक विमानों से लैस करने को प्रतिबद्ध हैं और आत्मनिर्भर भारत अवधारणा के तहत इनके लिए और उत्पादन भी करेंगे। भारतीय वायुसेना के 92वीं वर्षगांठ से पूर्व आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री ने 'वायुवीर विजेता' कार रैली को रवाना किया। सात हजार किलोमीटर लंबी रैली लद्दाख के थोइज से रवाना होकर अरुणाचल प्रदेश स्थित तवांग में समाप्त हो जाएगी। आगामी आठ अक्टूबर को दुनिया के सबसे ऊंचे वायुसेना स्टेशनों में समुद्र तल से 3,068 मीटर ऊपर यह आयोजन होगा।

ईरान ने इजरायल पर दागी 100 से ज्यादा मिसाइलें, बजने लगे सायरन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा यरुशलम/बेरूत

इजरायली सेना का कहना है कि ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागी हैं और पूरे देश में हवाई हमले के सायरन बज रहे हैं। निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर रहने और बम आश्रयों के पास रहने का आदेश दिया गया है। इसराइल ने ईरान का अस्तित्व मिटाने की चेतावनी दी है। इसराइली रक्षा मंत्री ने कहा कि अब ईरान रहेगा या इसराइल।

ईरानी मिसाइलों को मार गिराने का निर्देश

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम से इजरायल के खिलाफ ईरानी हमले की निगरानी कर रहे हैं और अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से अपडेट प्राप्त कर रहे हैं। व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम अपडेट के अनुसार, राष्ट्रपति बिडेन ने अमेरिकी सेना को ईरानी हमलों के खिलाफ इजरायल की रक्षा में सहायता करने और इजरायल को निशाना बनाने वाली मिसाइलों को मार गिराने का निर्देश दिया है।

पीएम मोदी ने की थी नेतन्याहू से बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की थी। इस दौरान पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया में आतंकवाद व युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है। वहीं, सोमवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान की जनता को संबोधित किया था। उन्होंने ईरान के शासक की आलोचना करते हुए कहा था कि ईरान का शासन आपको दबा रहा है। ऐसा करके इस पूरे क्षेत्र को युद्ध की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है। ईरान के शासक का प्राथमिक उद्देश्य जनता का कल्याण नहीं, बल्कि लेबनान और गाजा में युद्ध में पैसा बर्बाद करना है।

भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि इजरायल के खिलाफ ईरान द्वारा सीधे सैन्य हमले के ईरान के लिए गंभीर परिणाम होंगे। जबकि, ईरान ने कहा है कि नसरल्लाह की हत्या से इजरायल का विनाश होगा, हालांकि विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि तेहरान इजरायल का सामना करने के लिए सैनिकों को तैनात नहीं करेगा। अमेरिका ने कुछ घंटे पहले ही ईरानी हमले को लेकर इजरायल को सचेत पर दिया था। इससे पहले हिजबुल्ला के खिलाफ जमीनी कार्रवाई के लिए इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में घुस गई और उसने लेबनान के नागरिकों से सीमावर्ती इलाके में स्थित घर खाली करते हुए अन्यत्र जाने के लिए कहा। उधर, आतंकी संगठन हिजबुल्ला ने इस बात से इनकार किया कि इजरायली सेना लेबनान में घुसी है।

अमेरिका ने किया था अलर्ट

वहीं, मंगलवार को अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ईरान इजरायल के खिलाफ एक आसन्न बैलिस्टिक मिसाइल हमले की तैयारी कर रहा है। इस तरह के किसी भी हमले के लिए तेहरान को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। यह चेतावनी तब आई जब इजरायल ने कहा कि उसने ईरान समर्थित मिलिशिया हिजबुल्लाह को निशाना बनाने के लिए लेबनान में जमीनी हमला किया है।

अमेरिका का इजरायल को समर्थन

व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका को संकेत मिले हैं कि ईरान इजरायल के खिलाफ एक बैलिस्टिक मिसाइल हमला करने की तैयारी कर रहा है। हम इस हमले के खिलाफ इजरायल की रक्षा के लिए रक्षात्मक तैयारियों का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे हैं।

अलवर में शिक्षण संस्थाएं उड़ा रही है नियमों की धज्जियां, ननिहालों का जीवन है खतरे में

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

प्रदेश में चाहे डंबल इंजन की सरकार हो या ट्रिपल इंजन की, राजस्थान प्रदेश में स्कूल व कोचिंग संस्थाएं नियमो के किसी भी इंजन को नहीं मानती है। अलवर में 99 प्रतिशत स्कूल व कोचिंग संस्थाएं बिना फायर एनोसी के संचालित हो रही है। ना तो संस्थाओं को किसी भी नियम की कोई परवाह है और ना ही इन्हें विद्यार्थियों के जीवन की कोई फिक्र है।

हजारों बच्चों की जिंदगी हर रोज इन स्कूल और कोचिंग संस्थाओं के अंदर दाव पर लगी रहती है। लेकिन ना तो इसकी फिक्र अभिभावको को है और ना ही शिक्षण संस्थानों को।

वर्तमान में अलवर शहर में बहुत सारी स्कूल और कोचिंग संस्थाएं है जो कि सभी नियमों की धज्जियां उड़ा रही है लेकिन उन संस्थानों में से कुछ प्रमुख संस्थान है। जिन्होंने नियम तोड़ने में सभी हदें तोड़ दी हैं।

दिल्ली अकैडमी नियमों को रखती है अपनी जेब में

दिल्ली एकेडमी स्कूल ने स्कूल प्रारंभ होने से आज तक नगर निगम से मिलने वाली फायर एनओसी नहीं ली है, साथ ही यह संस्थान बेसमेंट में कई सालों से संचालित हो रही, जबकि नियमों की माने तो किसी भी स्कूल या कोचिंग को बेसमेंट में संचालित नहीं किया जा सकता है। हाल ही में दिल्ली की एक कोचिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने की वजह से कई बच्चों की जान चली गई थी उसके बाद संपूर्ण भारत में बेसमेंट में चलने वाली सभी कोचिंग संस्थानों पर प्रतिबंध लग गया था। जिससे बाद अलवर में भी सभी स्कूल और कोचिंग संस्थानों ने बेसमेंट में पढ़ाना पूरी तरह से बंद कर दिया। लेकिन दिल्ली एकेडमी पर शायद प्रशासन के नियम और प्रशासन की बात का कोई असर नहीं हुआ। यह अकेडमी आज भी बेसमेंट में संचालित हो रही है वह भी बिना फायर एनओसी के

ओम आदित्य स्कूल के पास भी नहीं है फायर एनओसी

ओम आदित्य स्कूल जो की अंबेडकर चौराहे के पास स्थित है इस स्कूल ने भी जब से स्कूल स्थापित की है तब से आज तक फायर एनओसी नहीं ली है। यह है स्कूल भी सैकड़ो बच्चों के साथ बिना फायर एनओसी के संचालित हो रही है जहां हर दिन सैकड़ो बच्चों की जान को खतरा बना हुआ है। रिहायशी इलाके में मौजूद यह स्कूल एक दिन बड़े हादसे को जन्म दे सकती है।

गैस गोदाम के 100 मीटर के दायरे में संचालित हो रही है आदित्य अकैडमी

आदित्य अकैडमी जो की तिजारा फाटक की पुलिया के नीचे मौजूद है वह अलवर का एकमात्र शिक्षण संस्थान है जो की गैस गोदाम से महज़ 100 मीटर के दायरे में बिना फायर एनओसी के संचालित हो रहा है। इस शिक्षण संस्थान में हर दिन विद्यार्थियों की जान जोखिम में है लेकिन फीस लेने में अव्वल यह है शिक्षण संस्थान फायर एनओसी लेने में फिसड्डी साबित हो गई है और शायद एक दिन गैस गोदाम के पास चलने वाली इस शिक्षण संस्थान में यदि कोई हादसा होगा तो वह हादसा शहर के इतिहास में एक बड़े हादसे के तौर पर दर्ज होगा। लेकिन इस बात से शिक्षण संस्थान को कोई लेना-देना नहीं है।

प्रशासन की चुप्पी

इस मामले में प्रशासन की चुप्पी से लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और शिक्षण संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन प्रशासन अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

आमजन की चिंता

इस मामले में लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया तो यह बड़े हादसे का कारण बन सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि वह शिक्षण संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई करे और नियमों का पालन सुनिश्चित करे।

धैर्या ने जीता गोल्ड मेडल, ग्रामीणों ने किया स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

कस्बे के मानसरोवर जोहड़ पर स्थित आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा धैर्या सैनी ने जयपुर में आयोजित प्रांत स्तरीय गोला फेक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल व तस्तरी फेक में सिल्वर मेडल जीतकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया हैं। इससे क्षेत्र के लोगों ने छात्रा धैर्या सैनी का साफा और माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया हैं। प्रधानाचार्य अशोक सैनी ने बताया कि छात्रा धैर्या प्रांत स्तर पर मेडल जीतने के बाद अब आगामी 6 से 8 अक्टूबर को क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने गंगा शहर (बीकानेर) जायेंगी। इसके लिए विद्यालय परिवार ने छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की हैं। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ सरदारा राम, घनश्याम शर्मा, हरीश चन्द, नूतन सैनी, नीरज शर्मा, नरेश शर्मा, मंजू देवी, वैद्य भवानीशंकर शर्मा, देवेन्द्र सिंह शेखावत, मुकुट बिहारी केदावत, मोहन लाल आत्रैय सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व बच्चे मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर आज गांधी पार्क में होगा श्रमदान कार्यक्रम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

गांधी जयंती के अवसर पर राजगढ़ वेलफेयर सोसायटी एवं नगरपालिका राजगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में गांधी पार्क राजगढ़ में श्रमदान कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से आयोजित किया जायेगा। श्रमदान के पश्चात गांधी पार्क के निरंतर विकास के लिए गांधी पार्क विकास समिति गठित की जायेगी। ज्ञातव्य है कि गांधी पार्क राजगढ़ में बच्चों का एकमात्र पार्क है एवं इसे बेहतर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। यह जानकारी राजगढ़ वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा ने दी।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा तहसील समिति लक्ष्मणगढ़ का गांव -गांव तूफानी दौरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

राजपूत समाज को एक जाजम एक मंच पर लाने हेतु राजपूत समिति पदाधिकारी ने विभिन्न ग्राम पंचायतो में चिमरावली गौड खोहरा मलावाली कचावा सेहरा दिवली हसनपुर में दौरा किया । जिसमें मुख्य बिंदु युवाओं को शिक्षा में अधिक से अधिक जोड़ना है। मेहनत कर समाज की विभिन्न कुरीतियों को हटाकर समाज एवं राष्ट्र के प्रति अच्छी भावना रखने ।समाज में सराहनीय कार्यों का प्रत्येक पंचायत मे बैठक कर निर्णय लेकर सभी समाज का सहयोग अपेक्षित रहा । शराब व बुरी आदतों से दूर रहकर अच्छे चरित्र का निर्माण करें। लक्ष्मणगढ़ समिति पदाधिकारी तहसील अध्यक्ष हरिओम सिंह जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह नरूका तहसील मंत्री रघुवीर सिंह ग्राम पंचायत अध्यक्ष बाबू सिंह साथ रहे। प्रत्येक पंचायत के राजपूत समाज के लोगों ने तहसील समिति के पदाधिकारीयों का सम्मान किया।

पलासाना में सामाजिक चित्रण ग्राम विकास कि बैठक का किया आयोजन

वॉइस आफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

सत्यार्थी मूमेंट फ़ोर ग्लोबल कम्पैशन बाल आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित बाल मित्र ग्राम पलासाना में सामाजिक चित्रण ग्राम विकास कि बैठक का आयोजन उप सरपंच बाबु लाल कोली कि अध्यक्षता में आयोजित कि जिसमें सभी उपस्थित सदस्यों ने ग्राम कि मुख्य समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए अपनी अपनी राय रखी और ग्राम कि प्रमुख 5 समस्याओं को चिन्हित कर सामूहिक निर्णय लेकर एक चार्ट पर सभी समस्याओं को लेकर उन पर विस्तार से चर्चा कर सभी चिन्हित समस्याओं का समाधान कराने के लिए समय सीमा तय कि जिसमें समस्याओं से संबंधित विभागों को उपरोक्त सभी समस्याओं से अवगत कराने व समय सीमा में ही समाधान कराने का निर्णय लिया इसके लिए कल ग्राम पंचायत में होने वाली ग्राम सभा में सभी समस्याओं को रखकर बजट पारित कराने का अथक प्रयास किया जायेगा इस अवसर पर उपसरपंच बाबुलाल कोली वार्ड पंच सुरज राहुल कुमार मोहन लाल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बिमला देवी ममता देवी पुलिस सखी बिमला हैं सहित बाल आश्रम कार्यकर्ता उपस्थित रहे

गढ़ी सवाईराम बस स्टेण्ड़ पर उड़ रहे धूल के गुब्बारे, वाहनों के टायरो से उछट कर रोडिया़ दुकानदारो की दुकानों तक पहुॅच रही

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रैणी

रैणी उपखंड क्षेत्र के नेशनल हाईवे 921 अलवर महावीरजी मार्ग पर गढ़ी सवाईराम के बस स्टैड़ की सडक़ पर मोटी मोटी रोड़ियों की मोरम बिछा देने से तथा नेशनल हाईवे आथोरिटी की लापरवाही एवं सुस्त कार्यप्रणाली के चलते इन दिनो धूल के गुब्बार उठ रहे है। जिससे बस स्टैड़ पर खुली मिठाईयो की दुकान, फल, सब्जी आदि पर धूल जम जाती है। जिससे संक्रमण की आशंका बनी हुई है साथ ही मानव जीवन पर भी स्वास्थ्य की दृष्टी से इसका बुरा असर हो रहा है तथा सडक़ पर मोटी रोडियां आने जाने वाले साधनो के टायरो के नीचे आकर इतनी तेजी से दुकानदारो तक लग रही है जो कि जान लेवा साबित हो रही है। बस स्टेड़ के दुकानदार महेश लखेरा, राजेश चौधरी, राहुल धाबाई, अशोक जैन, रामचरण झालानी, राजेश साहू, संजय साहू,राजू साहू, सुनील शर्मा सहित दुकानदारो ने बताया कि समय रहते प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो कोई भी बडी घटना घटित हो सकती है।

इनका क्या कहना है

"बारिश के कारण से कार्य नहीं हो पाया था। अब गढ़ीसवाईराम प्राथमिकता पर है एक माह के भीतर यह रिपेयरिंग कार्य हो जायेगा अभी फोर लाईन व मेन्टीनेंस की टैण्डर प्रक्रिया चल रही है। फोरलाईन बनने के कारण इसमे हम नया कुछ कर नहीं सकते।

राहुल जांगिड़, एईएन एनएचएआई

बीजेपी शासन की विफलताओं पर प्रकट किया आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टहला

तहसील मुख्यालय पर मंगलवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में भाजपा सरकार की डबल इंजन शासन व्यवस्था की विफलताओं पर त्रस्त आमजन की जनकल्याणकारी योजनाएं व निति के पालन नहीं होने के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया। ब्लांक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हनुमान सहाय शर्मा ने बताया कि राजस्थान में सरकार के 10 माह शासन की 10 विफलताओं पर आक्रोश प्रकट किया जिसका कारण वर्तमान में बेलगाम मंहगाई व सरकार की कल्याणकारी नीतियों के विपरीत जनता त्रस्त है । प्रदेश में ब्लांक व उपखंडों में मानसून से हुई अतिवृष्टि फसल का कहीं भी सर्वे नहीं हुआ है अधिकांश किसानों को फसलें पूर्णतः चोपट हो चुकी है किसानों को पशुपालन भी संकट में है। प्रदेश में अपराधिक घटनाओं को लगातार बढ़ावा मिल रहा है जिसमें महिला अत्याचार,दलित उत्पीड़न,बाल अपराधी योन शोषण,अवेध भू माफिया व अवैध खनन ,भू जल स्त्रोत से खनन वास्ते पानी की अवेध निकासी चरम सीमा भष्ट्राचार का सिस्टम दर्शाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों की चोपट व्यवस्था, युवाओं कै रोजगार देने के नाम पर रिक्तियां नहीं निकाली जा रही है केवल कागजी वादों में गणना कराई जा रही है जिसमें पूर्व सरकार की स्वीकृति रिक्तियां के नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। वृद्धावस्था पेंशन की सुगमता, पुरानी पैंशन की बहाली , इंदिरा रसाई आदि जनकल्याणकारी योजनाएं को यथावत चालू रखा जाए। ज्ञापन में बताया कि मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भ्रमण भाषण भ्रमित कार्यक्रम को छोड़कर जनता की मंहगाई राहत, बजट में घोषित कार्यक्रम को जनता के बीच पहुंच, लंबित क्षेत्रीय घोषणाओ को पूरा करने, अघोषित बिजली कटोती से निवारण, विधुत, घरेलू गैस सब्सिडी का उपभोक्ता को पूर्ण राहत , पूर्ववर्ती सरकार में दो माह में विधुत बिल को प्रतिमाह वसूली किया जा रहा है। ?

कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन, दस मांगों को लेकर ज्ञापन राज्यपाल के नाम दिया

वॉइस आफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के यशस्वी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जी के जन्मदिवस के उपलक्ष में जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के द्वारा कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में राजीव गांधी पार्क मोती डूंगरी अलवर में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, उसके बाद मिनी-सचिवालय पर महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया ज्ञापन में प्रदेश में अतिवृष्टि के कारण फसल खराबे का उचित मुआवजा किसानों को शीघ्र दिया जावे। प्रदेश में बढ़ते महिला अत्याचार, दलित अत्याचार, महिला एवं नाबालिग बच्चियों के साथ बलात्कार की बढ़ती घटनाएं, माफिया राज (खनन माफिया, बजरी माफिया, भू-माफिया) को रोकने हेतु तुरंत ठोस कार्यवाही की जावे। बेरोजगार युवाओं को भर्ती के नाम से भ्रमित करना बंद करे कांग्रेस सरकार के समय निकाली गई भर्तियों को अपना बता कर झूठी वाहवाही लूटना बन्द करे तथा नई नौकरियों की विज्ञप्ति निकालकर नौकरी दी जावे। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की जनकल्यानकारी योजनाओ मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, ओल्ड पेंशन स्कीम, वर्द्धावस्था पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, इंदिरा रसोई(अन्नपूर्णा रसोई) आदि को चालु रख बजट देकर प्रभावी बनाया जावे। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किए गए वादे की अनुपालना करवा कर हरियाणा के बराबर पेट्रोल-डीजल की कीमते की जावे, जिससे मंहगाई कम हो सके। प्रदेश की टूटी एवं बदहाल सडक़ो को तुरंत ठीक कर राहत प्रदान की जावे। मुख्यमंत्री अपना भ्रमण, भाषण एवं भ्रमित करने का कार्यक्रम छोडक़र बेलगाम हो रही ब्यूरोक्रेसी पर लगाम लगा कर मंत्री, विधायक, सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करवाकर जनता की समस्याओं को सुन समझ कर समाधान कर जनता को समस्याओं से राहत दिलवाये। प्रदेश में भाजपा नेताओं एवं मंत्रियो के अमर्यादित बयानों पर शीघ्र रोक लगाकर प्रदेश में बिगड़ते भाईचारे को रोकने के लिए कारगर कदम उठाये जावे पूर्ववर्ती कांग्रेस की सभी योजनओं एवं स्वीकृत विकास परियोजनाओं/ कार्यो को समीक्षा के नाम पर बन्द कर रखा है, उन्हें शीघ्र शुरू करावे 7 जिससे आमजन को राहत मिल सके।प्रदेश में नवम्बर एवं जनवरी में होने वाले नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों से एक राज्य- एक चुनाव के जुमले से भ्रम की स्थिति को दूर कर शीघ्र समय पर स्वायत्त संस्थाओ, पंचायती राज संस्थाओ के चुनाव का कार्यक्रम जारी करें एवं उसके बाद रूपवास स्थित जगन्नाथ जी के मंदिर के सामने अन्नपूर्णा रसोई (इंदिरा रसोई) में जरूरतमंद गरीब महिला एवं बच्चों को भोजन कराया। अन्नपूर्णा रसोई मे गोविन्द सिंह डोटासरा के जन्मदिन पर कन्याओं एवम कांग्रेस कार्यकर्ताओं से केक कटवा कर डोटासरा के उत्तम स्वास्थ्य दीर्घायु और उज्ज्वल राजनेतिक भविष्य की ईश्वर सें प्रार्थना की ।

भाजपा शासन में हुए विकास कार्यों से रामगढ़ में कमल खिलना तय-गौतम दक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान सरकार के सहकारिता मंत्री गौतम दक रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के मध्य नजर एक दिवसीय दौरे पर अलवर आये। जहा उन्होंने अलग-अलग मंडलों की बैठको मे भाग लिया। रामगढ़ विधानसभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए गौतम दक ने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार है, विकास के कार्य अब तेज रफ्तार से हो रहे हैं। कांग्रेस शासन के समय हुए अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी,महिला उत्पीड़न पर लगाम लगी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए पायदान छू रहा है। रामगढ़ विधानसभा की जनता भाजपा शासन में हुए विकास के काम पर मोहर लगाकर इस बार विधानसभा चुनाव में कमल के फूल को खिलाने का काम करेगी, ताकि रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र विकसित व समृद्ध बना सके। उन्होंने साथ ही साथ कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी जिसे भी कमल का फूल देकर हमारे बीच भेजें। सभी कार्यकर्ता एक मुखी होकर चुनाव में कार्य करें ताकि भाजपा प्रत्याशी विजयश्री को प्राप्त करें। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, जिला महामंत्री राम अवतार चौधरी, प्रवासी श्याम राजावत, जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर खंडेलवाल, सुखवंत सिंह, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता,मंडल अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा रवि सनातनी बालकिशन जैन, रमेश राजपूत,मुकेश चौधरी, पार्षद सरदार गगनदीप सिंह, दीप राम गुमरा, सुभाष अरोड़ा, दयानंद शर्मा, जवाहर तनेजा, किशन बलाई सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोर्ट परिसर में अफसर और कर्मचारियों ने लगाई झाड़ू

वॉइस आफ प्रतिज्ञा अलवर

नगर निगम व जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान-2024 के तहत मंगलवार सुबह जिला एवं सेशन कोर्ट में साफ-सफाई की गई। अधिकारी और कर्मचारियों ने झाड़ू लगाकर कचरा उठाया। कैंपस के आस-पास के कचरे की सफाई कर आमजन को जागरूक होने का संदेश दिया। अभियान के तहत रोजाना अलग-अलग जगहों पर सफाई होती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) के अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह ने कहा- हर व्यक्ति स्वच्छता को अनिवार्य बना लेगा तो माहौल बदल जाएगा।

दो दिवसीय जिला स्तरीय शिक्षक क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता संपन्न

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

जिला मुख्यालय खैरथल के आनन्दनगर में 35वीं दो दिवसीय जिला स्तरीय शिक्षक क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का मंगलवार को अनेक आयामों के साथ समापन किया गया। आयोजन केंद्र शहर के महात्मा गांधी विद्यालय आनंद नगर खैरथल में किया गया।जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई । जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा हरवीर सिंह भडाना ने बताया प्रतियोगिता मे विभिन्न खेलों के अंदर महिला पुरुष शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिला स्तर पर विजेता खिलाड़ी दिसंबर माह में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। प्रतियोगिता संयोजक प्रधानाचार्य महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय आनंद नगर खैरथल सुषमा यादव ने सभी खिलाड़ियों एवं निर्णायकों का व विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया राज्य स्तर पर जाने वाले प्रतिभागी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी।

लघु व सीमांत महिला किसानों को नि:शुल्क सरसों के बीज का वितरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

बजट घोषणाओं की अनुपालना में सरसों की फसल को बढावा देने के लिए राज्य योजना के तहत लघु एवं सीमांत महिला किसानो को सरसों की उन्नत किस्म आरएच 725 के नि:शुल्क सरसो के प्रमाणित बीज मिनीकिटस का वितरण किया जाएगा ।सहायक निदेशक (कृषि) डॉ राजेन्द्र बसवाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 15,500 सरसो बीज मिनीकिटो का लक्ष्य आवंटन प्राप्त हुआ है। 2 किलो वज़न के मिनी किटों का लघु व सीमांत महिला किसानो को नि:शुल्क वितरण विभागीय कार्मिक द्वारा महिला किसानो का चयन संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, एक महिला वार्ड पंच, अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व कृषि पर्यवेक्षक की कमेटी द्वारा किया जाएगा। सरसो फसल के प्रमाणित बीज मिनीकिट वितरण का का कार्य जन आधार कार्ड के माध्यम से राज किसान पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। सरसों फसल के बीज मिनीकिट का फसल कटाई प्रयोग व जियो टेगिंग किया जाना आवश्यक है। गौरतलब है कि इस बार जिले मे अच्छी बारिश हुई है। औसत से करीब दोगुना बारिश हो चुकी है। इसके चलते सरसों की बुवाई का रकबा बढने की संभावना है।

दो दिवसीय अग्रसेन जयंती समारोह आज से

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

अग्रवाल समाज के इष्टदेव अग्रसेन जी महाराज का दो दिवसीय जयंती महोत्सव आज से शुरू होगा। जयंती महोत्सव संयोजक समिति के मुख्य नवीन मंगल ने बताया कि पूरा समाज एकजुट होकर अपने इष्टदेव की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाएगा। उन्होंने बताया कि बुधवार को सुबह 10 बजे युवाओं द्वारा बाइक रैली निकाली जाएगी। दोपहर 3 बजे अग्रवाल भवन में अनेकों प्रतियोगीगी कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। संस्थान के सचिव प्रमोद सिंघानिया ने बताया कि नरेश गर्ग के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण समारोह में अखिल भारतीय अग्रवाल समाज संस्थान के के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप मितल की घोषणा के तहत तीन अक्टूबर को कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र खोलने का वादा पूरा किया जाएगा। तीन अक्टूबर को अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

3 अक्टूबर को मनाई जायेगी अग्रसेन महाराज की जयंती

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा कस्बे में 3 अक्टूबर को अग्रसेन महाराज की जयंती बड़ी धूमधाम के साथ मनाई जाएगी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष बिजी बंसल ने बताया कि 3 अक्टूबर को प्रातः काल प्रभात फेरी निकाली जाएगी कस्बे के देहरा जैन मंदिर पर स्थित जैनियों होटल में अग्रसेन जयंती समारोह पूर्वक बड़ी धूमधाम के साथ बन जाएगा इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का समाजसेवी लोगों का सम्मान किया जाएगा।

नगरपरिषद में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन, हुई स्वास्थ्य जांच

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

खैरथल नगरपरिषद की ओर से मंगलवार को सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में राजकीय सेटेलाइट अस्पताल के पीएमओ डॉ नितिन के नेतृत्व में सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में आयुक्त श्याम बिहारी गोयल, सहायक अभियन्ता भूपेंद्र गुर्जर, जेईएन मोतीलाल वर्मा, हेमराज बैरवा और एम आई एस इंजीनियर,एसबीएस व स्टाफ मौजूद रहा।

कबड्डी प्रतियोगिता में चित्तौड़गढ़ प्रथम रहा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़बास

कस्बे के माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यालय के मीडिया प्रभारी पवन मिश्रा ने कबड्डी प्रतियोगिता में बाल वर्ग छात्र में चित्तौड़गढ़ प्रथम, जोधपुर दितीय, किशोर वर्ग छात्रा में जोधपुर प्रथम, जयपुर द्वितीय रहा । उद्घाटन समारोह के अतिथि नगर पालिका चेयरमैन श्रीमती तारामणी सिंघल, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष परमानंद लख्यानी , मुख्य वक़्ता क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद कुमार , विशिष्ट अतिथी जिला मंत्री भाजपा आशा गुप्ता थी । इस अवसर पर समिति संरक्षक हरमेश खुराना, व्यवस्थापक अनिल जी खुराना, उपाध्यक्ष अमर सिंह जी नरूका, कोषाध्यक्ष सुरेश जी अग्रवाल, कुंजीलाल अग्रवाल, हेमंत भारती, उमेश व्यास, मानसिंह यादव ,सतीश महावर ,माध्यमिक विभाग के प्रधानाचार्य सुभाष नरूका प्रांतीय खेलकूद प्रमुख रोहिताश खेरिया आदि मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी के माध्यम से ग्रामीण विकास एवं आवासन विभाग के मंत्री को सौपा ज्ञापन

नगर पालिका के अध्यक्ष की नियम विरूद्ध नियुक्ति की जांच की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

मंगलवार को पूर्व सरपंच रत्ना महावीर चौधरी के नेतृत्व में वार्ड पार्षदो एवं ग्रामीणो ने मिलकर उपखंड अधिकारी सुभाष यादव को ग्रामीण विकास एवं आवासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नाम ज्ञापन सौपा। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया की राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा (50)(1) (घ) के अन्तर्गत निर्देशक महोदय द्वारा अध्यक्ष पद नगर पालिका कोटकासिम के आकस्मिक मृत्यु के उपरांत किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष पद पर अधिकतम 60 दिवस के लिए नियुक्त कर सकते है। लेकिन कोटकासिम नगर पालिक

में उपरोक्त परिस्थिति में अध्यक्ष की नियुक्ति आदेशो में 60 दिवस की कालावधि का कोई हवाला ही नही है। राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा (50)(1) (घ) के अन्तर्गत प्रावधानो का उल्घन है। अध्यक्ष की नियुक्ति 60 दिवस की कालावधि 18 सितम्बर 2024 को पूर्ण हो चुकी है। उसके बावजूद भी कोटकासिम नगर पालिका में अध्यक्ष अपने पद पर कार्यरत है। जबकि नियुक्त किये गये अध्यक्ष को पार्षदो का समर्थन भी प्राप्त नही है। वही राजस्थान नगर पालिका अधिनियम के तहत साधारण सभा बैठक बुलाने की समय सीमा 60 दिवस है। वहीं पालिका की अंतिम साधारण सभा फरवरी 2024 में आयोजित की गई थी। जिसके संबंध में पालिका के पार्षदो द्वारा बार-बार साधारण सभी की बैठक बुलाने की मांग की जा रही है। उसके बावजूद भी नपा अध्यक्ष एवं अधिशाषी अधिकारी की मिलीभगत होने के कारण बैठक बुलाने से इंकार कर दिया गया है। पार्षदो एवं ज्ञापन सौपने वाले ग्रामीणो ने कोटकासिम नगर पालिका अध्यक्ष की नियम विरूद्ध नियुक्ति की जांच की मांग की है तथा समय पर साधारण सभा की बैठक बुलाकर वार्डो में अनेको समस्याओ का समाधान करने की मांग की है। वहीं ज्ञापन देने वालो ने अवगत कराया की नगर पालिका के कार्यवाहक अध्यक्ष की उदासीनता के कारण कोटकासिम कस्बे में विद्युत व्यवस्था एवं सफाई व्यवस्था चौपट है। पूर्व अध्यक्ष स्व. महावीर आचार्य के कार्यकाल में जो रोड लाइटे लगाई गई थी उनके कनेक्शन विद्युत विभाग के द्वारा काट दिए गए हैं। जिससे रात्रि के समय कस्बे के मुख्य मार्गो पर अंधेरा छाया रहता है तथा चारों ओर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। जिससे मौसमी बीमारियों के फैलने की संभावना बनी हुई है। इस मौके पर पार्षद अनिल लोहा, पूरण चौधरी, सन्नी कश्यप, समय वर्मा, मोनू चौधरी, राजेश भंडारी, हेमकरण लोहा, सत्यदेव गुप्ता सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्राचार्य एवं उपप्राचार्य के पचास प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती करने की मांग

मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री के नाम कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) ने प्राचार्य एवं उपप्राचार्य के पचास प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती करने की मांग की है। संघ के प्रदेश प्रवक्ता राजीव चौधरी के नेतृत्व में जिला कलक्टर खैरथल तिजारा किशोर कुमार को संघ की 7 सूत्री मांगों के समाधान के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदेश प्रवक्ता राजीव चौधरी ने बताया कि ज्ञापन में शिक्षा विभाग में लंबित चार सत्रों की अध्यापक से वरिष्ठ अध्यापक व वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदोन्नति अतिशीघ्र करवाई जाएं व राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षको व कार्मिकों के लिए विद्यालय गरिमा और शिक्षक सुरक्षा हेतु अधिनियम बनाने की मांग की है। शिक्षा विभाग में सभी वर्गो के शिक्षकों के स्थानांतरण प्रतिवर्ष किए जाएं साथ ही स्थानांतरण प्रारंभ होने पर राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय से राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में स्थानांतरण किए जाएं। प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती करने,शिक्षको को बीएलओ नहीं लगाने सहित राजकीय महात्मा गांधी विद्यालयों के लिए कोर्ट में जारी मामले का शीघ्र निस्तारण करवा कर पात्र अभ्यर्थियों को रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति दी जाए। ज्ञापन देने वालों में संघ के प्रदेश प्रवक्ता राजीव चौधरी, जिला सचिव विक्रम सोनी, जिला महिला मंत्री मंजू सैनी, ब्लॉक सदस्य नरेन्द्र यादव, हंसराज दायमा सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहें।

वयोश्री योजना के तहत एलिम्को द्वारा 431 वृद्धजनों को उपलब्ध कराए सहायक उपकरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

समाज कल्याण सप्ताह के तहत मुंडावर में आयोजित शिविर में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार एवं जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर द्वारा वरिष्ठ जनों को सम्मानित किया और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को द्वारा उपलब्ध कराए सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। जिला कलक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय व्यवस्था योजना के तहत ब्लॉक मुंडावर में तीन दिवसीय शिवरो का आयोजन कर सहायक उपकरणों के लिए वरिष्ठ जनों का चयन किया गया था चयन प्रक्रिया के दौरान 86 वृद्ध जनों को चिन्हित कर शिविर में 8 लाख राशि के 431 उपकरण वितरित किए गए। उन्होंने इस दौरान 10 वृद्धजनों को मुख्यमंत्री वृद्धा जन सम्मान पेंशन योजना की जारी नवीन स्वीकृतियां वितरित की गई। समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र कुमार ने बताया कि एक-एक वृद्ध जन को उनकी पात्रता अनुसार सहायक उपकरण वितरित कराए गए। सहायक उपकरणों में वॉकिंग वॉकर, छड़ी, निबंध नेकबंद, व्हीलचेयर, कान की मशीन सेट, कुशन आदि वृद्ध जनों को प्राप्त हुए। शिविर में उपस्थित वृद्ध जनों ने सम्मान व उपकरण प्राप्त कर जिला कलेक्टर तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधान सुनीता, मुंडावर नगर पालिका अध्यक्ष गरिमा सोनू भारद्वाज, विकास अधिकारी मुंडावर सानू अग्रवाल, तहसीलदार मुंडावर मदन सिंह सहित अलिम्को प्रतिनिधि ललित कुमार और उनकी टीम मौजूद रहे।

खैरथल शहर के सभी वार्डों में होगी फॉगिंग, मौसमी बीमारियों सहित सभी सेवाएं होगी चुस्त-दुरुस्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक में मौसमी बीमारियों की रोकथाम सहित सभी सार्वजनिक सेवाओं की समीक्षा करते हुए उन्हें चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। बैठक में नगरपरिषद की ओर से जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार खैरथल शहर के सभी 35 वार्डों में बीस दिनों तक फॉगिंग करवाने की कार्ययोजना की जानकारी दी गई। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट ने सम्भावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम, बिजली, पानी, सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं की सूचारू रूप से आपूर्ति एवं समीक्षा बैठकों की अनुपालना रिपोर्ट, सम्पर्क पोर्टल आदि की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संपर्क पोर्टल के विभिन्न मापदंडों पर सभी अधिकारियों की समीक्षा कर आने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, शिक्षा अधिकारी राजकुमार जैन, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग भूरी सिंह, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी धर्मेंद्र यादव, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग एससी महावर, नगर परिषद कनिष्क अभियंता मोतीलाल वर्मा, उपनिदेशक श्रम विभाग राकेश चौधरी, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

श्री गणेश पूजन के साथ रामलीला मंचन का हुआ शुभारंभ

नारद मोह की लीला का मंचन किया गया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

श्री रामलीला कमेटी , तिजारा की ओर से सोमवार को श्री रामलीला मैदान के रंग मंच पर विधि विधान से श्री गणेश पूजन के साथ रामलीला मंचन का शुभारंभ किया । कमेटी का अध्यक्ष सतपाल सैनी ने बताया कि खैरथल प्रजापति समाज के जिला अध्यक्ष सतपाल प्रजापति , हनुमान सैनी, पूर्व चैयरमेन रामेश्वर सैनी , भाजपा मंडल अध्यक्ष वनय सिंह विधूड़ी , पार्षद अनिल बंसल , पूर्व पर्षद विशंभर सैनी , मंगतु राम सैनी , महंत जस्सू महाराज ने दीप प्रज्वलित कर तथा फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एडवोकेट वीरेंद्र सैनी , कमल गुर्जर , अनिल दहिया , बने सिंह गुर्जर , दौलत प्रजापति , अशोक अग्रवाल , विवेक शर्मा , जगन सैनी , कैलाश सिंधी आदि अतिथि के रूप में मौजूद रहे। रामायण वाचक राजेंद्र प्रसाद गुप्ता व ओमप्रकाश गुप्ता के द्वारा श्री गणेश वंदना व भगवान विष्णु की स्तुति कराई गई तत्पश्चात एलईडी स्क्रीन डिजिटल पर्दे पर आकर्षक दृश्यों के साथ नारद मोह की लीला का मंचन किया गया। राहुल सैनी, राधे सैनी, हिमांशु कटारिया, शुभम जांगिड़, मोहित सैनी , प्रेमचंद ने अपनी भूमिका के अनुरूप अभिनय किया जिसकी दर्शकों ने बहुत सराहना की। प्रबंधक इन्दर सिंह दहिया ने बताया की 30 सितंबर से रामलीला मंचन का शुभारंभ किया गया है। 4 अक्टूबर को आकर्षक राम बारात निकाली जाएगी । 12 अक्टूबर को विजयी जुलूस निकाला जाएगा तथा शंकरगढ़ आश्रम में दशहरा मेले का आयोजन होगा जहां दशरथ मरण की लीला का मंचन दिखाया जाएगा। 13 अक्टूबर को भगवान श्री राम राजतिलक की लीला के साथ रामलीला आयोजन का समापन किया जाएगा। रामलीला मंचन में कुर्सियों पर निशुल्क बैठने की तथा लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। डॉक्टर ठाकुर सिंह पालीवाल , राजेश सैनी , उग्रसेन सैनी , पुरुषोत्तम गजमोती , कैलाश चंद सैनी , पंडित विक्रम शर्मा , खिल्लू राम सैनी , विनोद सैनी , नितिन सैनी ,सूरज सैन , तिलक मर्दाने , मिंटू सैनी , सतीश सैनी ने व्यवस्था को संभाला ।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने किया भिवाड़ी में सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

जिला कलक्टर किशोर कुमार के निर्देशानुसार भिवाड़ी शहर की सफाई व्यवस्था को जांचने व कमियों को सुधारने हेतु नगर परिषद क्षेत्र भिवाड़ी के विभिन्न वार्डों का मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर भिवाड़ी द्वारा औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी अश्विन के पंवार ने नगर परिषद भिवाडी क्षेत्र के वार्ड नं0 58, 59, 60, 43, 15, 51 एवं वार्ड नं. 47 की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उक्त वार्डो में जगह-जगह गंदगी के ढेर, नालीयों के अवरूद्ध होने के कारण रास्तो पर नाली के पानी का जमाव पाया गया तथा साथ ही एक स्थान पर एकत्रित कचरे का समयानुसार नही उठाना पाया गया। जिला कलेक्टर ने इस सम्बन्ध में आयुक्त, नगर परिषद भिवाडी को आगामी तीन दिवस में सभी अनियमितताओं को दूर कर सभी वार्डो में उचित साफ-सफाई एवं नालो की सफाई करने सहित प्रतिदिन कचरा उठाने हेतु हूपरो को वार्डों में भेजने हेतु निर्देशित किया गया एवं प्रगति रिपोर्ट भिजवाने हेतु निर्देशित किया गया।

मुंडावर नगर पालिका पार्षदों ने समस्याओं को लेकर जिला कलक्टर को दिया ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर नगर पालिका चेयरमैन सहित पार्षदों ने मंगलवार को मुंडावर आए जिला कलेक्टर खैरथल तिजारा को अलग-अलग दो ज्ञापन सौप कर नगर पालिका क्षेत्र की सेवाएं बहाल करवाने की मांग की। ज्ञापन में नगर पालिका ने मुंडावर नगर पालिका का गठन होने के बाद से ही नगर पालिका क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण एवं काश्तकारों को बिजली के बिलों छूट से वंचित होकर नगर पालिका क्षेत्र का सरचार्ज देना पड़ रहा है। बावजूद इसके नगर पालिका के ग्रामीण क्षेत्रवासियों को बिजली कटौती का दंश आज भी पहले की तरह झेलना पड़ रहा है। वही 6 घंटे बिजली दी जा रही है जिसे ठीक करवाने की मांग की। दूसरे ज्ञापन में नगर पालिका ने क्षेत्रवासियों के राशन कार्ड नहीं बनने की अवगत कराया। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि नगर पालिका अधिशासी अभियंता की आईडी मैप नहीं होने से क्षेत्र वासियों की राशन कार्ड नहीं बन रहे हैं। इस मौके पर अध्यक्ष गरिमा सोनू भारद्वाज उप चेयरमैन उदय सिंह जोरिया सहित पार्षद एवं कस्बेवासियों में से विजय सांवरिया मौजूद रहे।

चिंतन

जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण मतदान बदलाव के संकेत

जयंती संदेश

उमेश चतुर्वेदी

जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण मतदान सरकार की बड़ी उपलब्धि है। तीनों चरण के मतदान समाप्त हो गए। पिछले दस वर्ष के बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं, नतीजे जो भी आए, सरकार जिस दल या गठबंधन की बने, लेकिन बड़ी बात है कि अलगावादियों, आतंकियों व उपद्रवियों की एक न चली, और चुनाव आयोग ने कठिन से कठिन क्षेत्र में भी चुनाव सफलतापूर्वक कराए। धारा 370 हटने के बाद यह पहला चुनाव है, इसमें भाजपा, कांग्रेस व एनसी गठबंधन, पीडीपी व कुछेक छोटे दल प्रमुखता से शिरकत कर रहे हैं। परिसीमन के बाद जम्मू कश्मीर में विधानसभा सीट 83 से बढ़कर 90 हो गई है। चुनाव के दौरान आतंकी हिंसा की आशंका थी, पर सभी चरणों में मतदान शांतिपूर्ण हुआ। इस बार अनेक ऐसे मतदाताओं ने वोट डाले जो अब तक मतदान से वंचित थे। अनुच्छेद 370 इस बार चुनाव में बड़ा मुद्दा है, कांग्रेस व एनसी इसी मुद्दे पर चुनाव मैदान में हैं। आठ अक्टूबर को नतीजे आएंगे, पर यह चुनाव याद रखा जाएगा। तीनों ही चरण में बंपर वोटिंग हुई है, कई जगहों पर मतदान का रिकार्ड टूटा है। तीसरे चरण में 7 जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर औसत 65.65 फीसदी वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा उधमपुर में 72.91% व सबसे कम बारामूला में 55.73% मतदान हुआ। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। तीसरे फेज में 169 प्रत्याशी करोड़पति हैं। इस फेज में संसद हमले का मास्टरमाइंड अफजल गुरु का बड़ा भाई एजाज अहमद गुरु भी चुनावी मैदान में है। एजाज गुरु सोपोर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी है। 18 सितंबर को पहले फेज की 24 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हुई थी। इस दौरान 61.38% वोटिंग हुई। दूसरे फेज में 25 सितंबर को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर 57.31% मतदान हुआ था। अनुच्छेद 370 के हटने से पहले आतंकवाद के दौर में औसत 30 फीसदी के करीब वोटिंग होती थी, आतंकी गुट सीधे तौर पर मतदाताओं को डराते थे। अतीत में आतंकी खौफ के साये में चुनाव होते थे। आज सरकार के प्रयास से सामान्य स्थिति में चुनाव हुए हैं। मतदान का प्रतिशत बता रहा है कि पाक प्रायोजित आतंकवाद का कुछ नहीं चल रहा है, वोट डालने लोग घरों से बाहर निकले, मतदान के प्रति स्थानीय नागरिकों में उत्साह दिखा। यह नया कश्मीर है, आतंक के डर से मुक्त कश्मीर। यह बदलाव सकारात्मक है। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के लोगों को लग रहा है कि कि वे भारत का हिस्सा हैं। क्षेत्र में काफी शांति है, आर्थिक गतिविधियां और पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। जम्मू-कश्मीर में ऐसी दूरदर्शी सरकार बने जो सुरक्षा, शांति व स्थिरता के लिए मजबूती से काम करे। अब पीछे लौटने का वक्त नहीं है। राजनीति के लिए प्रदेश में अलगाववादी तत्वों को मजबूत होने का अवसर न मिले। यह कोशिश नई सरकार करे। अभी सरकार को जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की संवैधानिक प्रक्रिया भी पूरी करनी है। इस खूबसूरत प्रदेश में नई सरकार पर्यटन, शिक्षा, रोजगार एवं चहुंमुखी विकास के लिए काम करे, जनता की मुश्किलों को कम करने के लिए काम करे। दरअसल, जम्मू-कश्मीर की नई सरकार को दूरदर्शी होना होगा, ताकि प्रदेश आतंकमुक्त हो और वहां के लोग शांति की हवा में सांस ले सकें। प्रदेश में विभाजनकारी व पाकपरस्त राजनीतिक सोच के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इस विधानसभा चुनाव ने साबित किया है कि कश्मीर में शांतिपूर्ण चुनाव संभव है।

स्वच्छता के दस वर्ष, गंदगी से मुक्ति नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने न सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'। स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक पूरा हो गया है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं।

साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी जी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों के ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे को ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका-सा जवाब दे दिया था, 'यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है।' गांधी जी ने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट-पैंट में आ गए। भारतीय राजनीति में तब तक गांधी जी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है।

गांधी जी के रचनात्मक शिष्यों यथा विनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने न सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'। स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक पूरा हो गया है। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू न लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच

जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े-बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं।

स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, 'मैं किसी को भी अपने दिमाग़ से गंदे पैर लेकर नहीं गुज़रने दूंगा।' गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, 'न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा।' सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं। स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गई है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने-पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो-चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है।

इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है। स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हाल ही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है। इसके साथ ही भूजल की गुणवत्ता भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। शौचालय क्रांति के चलते अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं अपने घरों में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। क्योंकि अब उन्होंने शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा। स्वच्छ भारत अभियान साल 2020 से संपूर्ण स्वच्छता अभियान में तब्दील किया जा चुका है।

इस कार्य के लिए एक लाख चालीस हजार करोड़ की रकम आवंटित की गई है। जाहिर है कि स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि देश ने इस दिशा में सबकुछ हासिल कर लिया है। अब भी देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां का मानस सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत नहीं हो पाया है। इस वर्ग को पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत करना है। स्वच्छता में ढिलाई बरतने वाले तंत्र के दंडात्मक विधान की व्यवस्था करनी होगी, तभी आज का भारत प्राचीन भारत की तरह पूरी तरह स्वच्छ हो पाएगा।

(लेखक राजनीतिक समीक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

गांधी जयंती

आर .के . सिन्हा

गांधी के रास्ते पर चलने वाली पांच शख्सियतें

हम भारतीय चाहें जितना भी गर्व कर सकते हैं कि महात्मा गांधी जैसी पवित्र शख्सियत का संबंध भारत से है। हालांकि, उनके प्रति सम्मान और आदर का भाव तो सारी दुनिया ही रखती है। वे अपने जीवनकाल और उसके बाद भी करोड़ों लोगों को अपने सत्य और अहिंसा के विचारों से प्रभावित करते हैं। अब भी सारी दुनिया में अनगिनत लोग गांधी जी को ही अपना आदर्श मानते हैं। इसी तरह से न जाने कितने लोग गांधी जी के रास्ते पर चलते हुए अपने-अपने ढंग से संसार को बेहतर बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। उनमें भी अब गांधी जी की छवि दिखाई देती है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। आप चाहें तो 88 साल की कात्सू सान को देश की सबसे खास गांधीवादी व्यक्तित्वों में एक मान सकते हैं। कात्सू सान राजघाट पर होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ती हैं।

कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वह 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं, ताकि उन्हें वे और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से ऐसा साक्षात्कार हो गया कि उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया। वह कहती हैं कि भारत के कण-कण में पवित्रता है। भारत ही वास्तव में संसार का आध्यात्मिक विश्व गुरु है। इसी प्रकार, गांधी जी की दर्जनों मूर्तियां बनाने वाले महान मूर्ति शिल्पकार राम सुतार बचपन से ही गांधी के रास्ते पर चलने लगे थे। वे जब गांधी जी की किसी प्रतिमा को शक्ल दे रहे होते हैं,तो उन्हें लगता है मानों वे गांधी से संवाद कर रहे हों। संसद भवन के प्रांगण में लगी उनकी बनाई गांधी जी की मूर्ति तो बेजोड़ है। यह असाधारण मूर्ति 17 फीट ऊंची है। इसी तरह ब्रदर सोलोमन जॉर्ज भी पक्के गांधीवादी हैं। वे गांधी जी को ही अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उन्हें गांधी जी इसलिए भी अपने लगते हैं क्योंकि वह 12 मार्च 1915 को अपनी पहली राजधानी यात्रा के दौरान सेंट स्टीफंस कॉलेज में ही ठहरे थे। ब्रदर सोलोमन बताते हैं कि गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में ईसाई मिशनरी जोसेफ डोक से भी मिले थे , जिन्होंने उनकी पहली जीवनी लिखी। वहां उनकी दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज से भी मुलाकात हुई। उन्हें लगता है कि गांधी जी विश्व भर में शांति के सबसे बड़े प्रेरक हुए हैं, जिन्हें दुनिया ने बुद्ध और ईसा मसीह के बाद देखा है। गांधी जी आज के दौर में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने कि वे अपने जीवनकाल में थे। डॉ. विनय अग्रवाल में भी गांधी जी की छाया नजर आती है। पेशे से मेडिसिन के क्षेत्र से जुड़े हुए डॉ. अग्रवाल अपने स्तर पर लगातार वाल्मीकि समाज के नौजवानों को रोजगार और उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्हें दलितों के हक में गांधी जी के किए काम प्रभावित करते हैं। डॉ. अग्रवाल ने वाल्मीकि समाज की बदहाली को अपनी आंखों से देखा। उसके बाद वे जब सक्षम हुए तो उन्होंने वाल्मीकि समाज के लिए ठोस काम करने शुरू किए। इसकी प्रेरणा उन्हें गांधी जी से ही मिली। वे कहते हैं कि गांधी जी की आत्मकथा पढ़ने वाले भली-भांति जानते हैं कि वे बचपन से ही अस्पृश्यता को नहीं मानते थे। अब 62 वर्षीय कृष्णा विद्यार्थी को ही लें। वे राजधानी के पंचकुइयां रोड पर स्थित वाल्मीकि मंदिर का काम-काज देखते हैं। वाल्मीकि मंदिर और गांधी जी का गहरा संबंध रहा है। वे इसी मंदिर परिसर के एक साधारण से कमरे में 1 अप्रैल 1946 से लेकर 10 जून 1947 तक रहे। कृष्ण विद्यार्थी बीते चालीस सालों से उस कमरे को रोज सुबह साफ-स्वच्छ करते हैं, जिसमें गांधी जी रहते थे।

वाल्मीकि समाज से रिश्ता रखने वाले कृष्ण विद्यार्थी कहते हैं कि गांधी जी वाल्मीकि समाज की दशा को सुधारने के लिए जीवन पर्यंत सक्रिय रहे। गांधी जी ने वाल्मीकि परिवारों के बच्चों को यहां पढ़ाया भी। उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब गांधी जी 7 सितंबर, 1947 को अंतिम बार दिल्ली आए तो उन्हें वाल्मीकि बस्ती की बजाय बिड़ला हाउस में लेकर जाया गया। तब कहा गया कि वाल्मीकि बस्ती उनके लिए असुरक्षित है। पर जो जगह कहने को सुरक्षित थी, वहां पर ही उन्हें मार डाला गया। कृष्ण विद्यार्थी के नेतृत्व में यहां पर हरेक 2 अक्तूबर और 30 जनवरी को सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित होती है। वे खुद गांधी जी के विचारों के प्रसार-प्रचार के लिए देश के कोने-कोने में जाते रहते हैं। बेशक, ये सब महान शख्सियतें गांधी जी के विचारों को देश-दुनिया में लेकर जा रही हैं। देश-दुनिया में इनके जैसे अनगिनत गांधीवादी सक्रिय हैं। इनमें हमें गांधी जी के दर्शन होते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन में निर्भयता लाती है मां दुर्गा की भक्ति साधना

संकलित

दर्शन

वैसे तो हिंदी वर्षानुसार वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत व ग्रीष्म- छह ऋतुएं होती हैं, लेकिन मुख्य रूप से दो ही प्रधान हैं- सर्दी व गर्मी। इन दोनों प्रधान ऋतुओं की संधि बेला को नवरात्रि की संज्ञा दी गई है। दिन और रात्रि के मिलन को संध्याकाल कहते हैं। इस महत्वपूर्ण समय को ईश्वर की आराधना, भजन, संध्या, वंदन व आध्यात्मिक साधना में लगाया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय अत्याधिक लाभदायी और कम श्रम से अधिक फल देने वाला माना गया है। संध्या काल को पुण्य पर्व भी कहा गया है। आरोग्य शास्त्र के विद्वानों को विदित है कि आश्विन व चैत्र मास में जो सूक्ष्म परिवर्तन होता है, उसका प्रभाव शरीर पर कितनी अधिक मात्रा में पड़ता है। यह बदलाव स्वास्थ्य पर कई प्रकार से प्रभाव डालता है। अनेकानेक रोग, ज्वर, चेचक आदि मनुष्य पर हावी होने लगते हैं। वैद्य जानते हैं कि वमन, विरेचन, स्वेदन, वस्ति, रक्त मोक्षण आदि शरीर शोधन कार्यों के लिए आश्विन और चैत्र का महीना ही सर्वाधिक उपयुक्त होता है। ऐसे समय में ही साधना का महत्वपूर्ण पर्व आता है। हिंदू परंपरा के अनुसार, भारतीय पर्व और त्योहारों में नवरात्रि पर्व का अत्यधिक महत्व है। यह वर्ष में दो बार आता है। दुर्गावतरण की पावन कथा भी इसके साथ जुड़ी हुई है। देवत्व के संयोग से असुर निकंदिनी महाशक्ति के उद्भव का महत्व हर युग में रहा है। युग की भयावह समस्याओं से त्राण पाने के लिए युग शक्ति के उद्भव की कामना हर मन में उठती है। अधिकांश लोग व्रत, उपवास एवं अनुष्ठान करते हैं।

ब्राह्मण का सपना

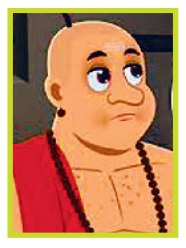

संकलित

प्रेरणा

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूँगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊँगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूँगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारुंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

अंतर्मन

आज की पाती

स्वच्छता को अपना कर्तव्य समझें

महात्मा गांधी ने एक पत्र में स्वच्छता के लिए लिखा था कि, 'वह जो सचमुच में भीतर से स्वच्छ है, अस्वच्छ बनकर नहीं रह सकता।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान चलाया है। उसे दस साल हो गए। 2 अक्तूबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता के सपनों को पूरा करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान चलाया था। इसके लिए केंद्र सरकार ने राज्यों की आर्थिक सहायता करने के लिए काम किया। तब से सभी राज्यों में स्वच्छता सर्वेक्षण भी होता आ रहा है। कुछ राज्य इस सर्वेक्षण में अच्छा प्रदर्शन करते भी पाए जा रहे हैं, लेकिन कुछ राज्य अभी भी स्वच्छता के मामले में फेल हैं। स्वच्छता को हर नागरिक को अपना कर्तव्य समझना चाहिए।

– मुरली वल्लाण, महासमुंद

ट्रेंड

सरहद की आवाज सुने केंद्र

जो लोग शांति से डरते हैं, वो अंदर से डरे हुए लोग होते हैं। भाजपा सरकार पर्यावरण रक्षक व लद्दाख हितैषी सोनम वांगचुक जी की शांतिपूर्ण दिल्ली यात्रा को बाधित करके कुछ भी हासिल नहीं कर सकती। केंद्र अगर सरहद की आवाज़ नहीं सुनेगा तो ये उसकी राजनीतिक श्रवणहीनता कहलाएगी।

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

ये अच्छी बात नहीं

मैं प्रधानमंत्री को कहना चाहता हूं कि मैं बहुत छोटा आदमी हूं आप तो शक्तिशाली हो। आपके पास तो केंद्र में बहुत पैसा है, आप केजरीवाल को गिरफ्तार करके स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक के काम को रोकना चाहते हो, ये अच्छी बात नहीं है।

-अरविंद केजरीवाल, आप प्रमुख

सकारात्मक परिवर्तन

हम सहयोगियों के लिए स्वेच्छा से अपने सबसे मूल्यवान व्यक्तिगत संसाधन व अपना समय - सामुदायिक परियोजनाओं के लिए दान करने के अवसर बनाते हैं जो सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं...।

-आनंद महिंद्रा, उद्योगपति

प्रेरणास्रोत हैं मिथुन दा

बधाई हो मिथुन दा !! आपको दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलने की कितनी अच्छी खबर है। आप एक प्रेरणास्रोत रहे हैं और मैं हंसी और खुशी से भरे हमारे क्षणों को संजोकर रखता हूं।

-अक्षय कुमार, फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के 75 वर्ष पूरे

आर्थिक चुनौतियों और सुरक्षा संबंधी खतरों के बीच चीन 'कम्युनिस्ट पार्टी' के शासन की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। 'तियानमेन स्क्वैयर' पर मंगलवार को ध्वजारोहण समारोह के अलावा, इस अवसर पर कोई और उत्सव मनाने की घोषणा नहीं की गई है। इससे पहले पार्टी के शासन की 60वीं और 70वीं वर्षगांठ पर सैन्य परेड और देश की आर्थिक ताकत का प्रदर्शन करने वाले समारोह आयोजित किए गए थे। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, कोविड-19 महामारी के बाद गति हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। संपत्ति के क्षेत्र में लंबे समय से मंदी का, निर्माण से लेकर घरेलू उपकरणों की बिक्री तक अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर असर पड़ा। चीन के केंद्रीय बैंक ने संपत्ति क्षेत्र में मंदी से निपटकर सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से कई कदम उठाने की पिछले सप्ताह घोषणा की थी। उसने बैंकों के लिए आवश्यक आरक्षित दर (रिजर्व रेट) में कटौती करने की घोषणा की की। पार्टी नेता और राष्ट्राध्यक्ष शी जिनपिंग ने महामारी के बाद से विदेश यात्रा से मुख्य रूप से परहेज किया है। उन्होंने अपने देश में उन शीर्ष अधिकारियों की छंटनी की है, जो उनके पर्याप्त रूप से वफादार नहीं माने जाते या जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप है।

ऑफ बीट

पक्षियों के लिए स्वर्ग बना गुजरात, 20 लाख पक्षी

गुजरात में करीब 18 से 20 लाख पक्षी निवास करते हैं और अकेले देवभूमि द्वारका जिले में 400 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं। राज्य वन एवं पर्यावरण विभाग द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। 'पक्षी विविधता रिपोर्ट 2023-24' के अनुसार, कच्छ जिले में 161 प्रजातियों के 4.56 लाख पक्षियां रहती हैं, जो राज्य में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, विविधता के मामले में देवभूमि द्वारका जिले में सबसे अधिक 456 प्रजातियां निवास करती हैं। यह रिपोर्ट, वन विभाग द्वारा 'ईबर्ड' एप्लीकेशन का उपयोग कर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है।सर्वेक्षण के दौरान, विभाग ने पक्षियों की 300 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया, जिनमें 13 संकट के कगार पर, चार संवेदनशील, सात लुप्तप्राय और एक गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति शामिल हैं। राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलुभाई बेरा ने कहा कि गुजरात देश में पक्षियों के लिए 'स्वर्ग' के रूप में उभरा है, जिनकी आबादी लगभग 18 से 20 लाख है। कच्छ के बाद जामनगर में 221 प्रजातियों के 4.11 लाख से अधिक पक्षी निवास करते हैं जबकि अहमदाबाद में 256 प्रजातियों के 3.65 लाख से अधिक पक्षी अपना घर बनाए हुए हैं।

राजकीय कन्या महाविधालय को नैक द्वारा प्रदान की गई बी+ ग्रेडिंग

गणमान्य नागरिकों व शिक्षाविदों ने प्राचार्य एवं स्टॉफ का किया अभिनन्दन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

डाबला रोड़ स्थित श्रीमती पाना देवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को नैक द्वारा बी+ ग्रेडिंग प्राप्त करने पर गणमान्य नागरिकों व शिक्षाविदों द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य एवं स्टॉफ का साफा पहनाकर व माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया गया। पूर्व प्राचार्य वासुदेव गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय ने बी+ ग्रेडिंग प्राप्त कर ना केवल महाविद्यालय बल्कि सम्पूर्ण क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने महाविद्यालय के एक पौधे से वृक्ष बनने की यात्रा का वर्णन किया। पूर्व प्राचार्य आर.एस. झांझरिया ने कहा कि यू.जी.सी. द्वारा गठित नैक टीम महाविद्यालय के प्रत्येक पहलु का बारिकी से निरीक्षण कर ही ग्रेडिंग प्रदान करती है। जिले की कन्या महाविधालय द्वारा सीमित संसाधनों के बावजूद शैक्षिक गुणवत्ता का लौहा मनवाना काबिले तारिफ है। एड. अशोक कुमार बंसल ने कहा कि उत्कृष्ट कोटी की यह ग्रेडिंग प्राप्त करने का श्रेय प्राचार्य डॉ. आर.पी. गुर्जर के अथक प्रयासों व स्टॉफ सदस्यों के सामूहिक प्रयासों को जाता है।

सेवानिवृत्त प्रो. बलवीर यादव ने कहा कि कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य के नेतृत्व में ना केवल भौतिक संसाधनों में अभिवृद्धि हुई है बल्कि शैक्षिक स्तर में भी बहुत सुधार हुआ है। प्रधानाचार्य डॉ. महावीर गुर्जर एवं उप प्रधानाचार्य रामावतार कसाना ने महाविद्यालय संकाय सदस्यों की प्रशंसा करते हुए शुभकामनायें दी। प्रधानाचार्य राजेन्द्र कुमार शुक्ल ने कहा कि 1997 में स्थापित महाविद्यालय ने विगत 27 वर्षों में प्रगति के नये सौपान छुये है। डॉ. राजेश पुरोहित ने बताया कि निकटवर्ती अन्य जिलों के महाविद्यालयों की तुलना में इतनी अच्छी ग्रेडिंग प्राप्त करना निसंदेह प्रशंसनीय उपलब्धि है। सेवानिवृत्त एईएन गजराज यादव ने कहा कि महाविद्यालय का राज्य के सर्वोत्तम 20 महाविद्यालय में शामिल होना हर्ष का विषय है। प्राचार्य डॉ. आर.पी.गुर्जर ने समस्त गणमान्य नागरिकों एवं शिक्षाविदों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि महाविद्यालय को यह ग्रेडिंग समस्त स्टॉफ, विकास समिति सदस्यों एवं क्षेत्र के सभी नागरिक और अभिभावकों के सहयोग से प्राप्त हुई है। मंच संचालन प्रो. विमल कुमार यादव ने किया तथा प्रो. जगराम गुर्जर ने धन्यवाद अभिभाषण दिया। इस अवसर पर बुधराम छावडी, उप प्रधानाचार्य बाबुलाल, व्याख्याता रामसिंह मुक्कड़, गोकुल चन्द, प्रो. भावना चौधरी, प्रो. बिशम्भर दयाल, डॉ. उदयवीर तोषावर, डॉ. कमलेश यादव, प्रो. मनोज कुमार सैनी, प्रो. प्रतिभा पोसवाल, प्रो. ओमप्रकाश कपूरिया, प्रो. प्रिया खंगरावत, प्रो. चन्द्रप्रभा, राकेश सुण्डा, कैलाश सैनी, रमेश कुमार गुर्जर, प्रसून सिंह, विकास गुर्जर, लोकेश कुमार गुर्जर, जितनेश सैनी समेत अन्य मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत दिवस का आयोजन बुधवार को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

नगर परिषद कोटपूतली में महात्मा गाँधी जयन्ती के अवसर पर बुधवार 02 अक्टुबर को परिषद परिसर में स्वच्छ भारत दिवस मनाया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, विधायक हंसराज पटेल, जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल, सभापति पुष्पा सैनी समेत बड़ी संख्या में अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण भाग लेगें।

कन्या महाविधालय में छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

डाबला रोड़ स्थित श्रीमती पाना देवी मोरीजावाला राजकीय कन्या महाविद्यालय में छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल 20 सितम्बर से आरम्भ हो गया है। प्राचार्य डॉ. आर. पी. गुर्जर ने बताया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन करना चाहिये। जिससे उनके अध्ययन में आर्थिक सहयोग मिल सके। छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश यादव ने कहा कि छात्राओं को मिलने वाली अलग-अलग वर्ग के आधार पर छात्रवृत्ति में ही आवेदन करना चाहिये। जिससे उस वर्ग विशेष के आधार पर छात्रा को अधिकतम लाभ दिया जा सके। महाविद्यालय में मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति, देवनारायण छात्रा स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि योजना, कालीबाई भील मेघावी छात्रा स्कूटी योजना आदि छात्रवृत्तियों में 20 सितम्बर से 20 नवम्बर तक आवेदन कर सकती है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कोटपूतली के पहलवानों ने जीते मैडल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

डीग कामा (भरतपुर) में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ द्वारा संचालित कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र राजकीय एलबीएस कॉलेज कोटपूतली के पहलवानों ने मैडल जीते। प्रतियोगिता में ग्राम सुन्दरपुरा निवासी देव गुर्जर पुत्र शीशराम ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रोंज, ग्राम तालवा निवासी प्रदीप लोमोड़ पुत्र हरिराम ने 86 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर व माधव पुत्र संजय गुर्जर ने सिल्वर मैडल जीता है। इस मौके पर श्री बालाजी स्पोर्ट्स एण्ड एजुकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा मैडल विजेता पहलवानों का सम्मान किया गया। एलबीएस महाविधालय के प्राचार्य प्रो. आर के सिंह ने महाविधालय पहुंचने पर पहलवानों का सम्मान किया। इस दौरान प्रो. मालीराम, प्रो. पी.सी. जाट, प्रो. अशोक चौहान, प्रो. सुरेश, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से कुश्ती कोच संदीप गुर्जर समेत अन्य मौजूद रहे।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु भूखण्डहीन परिवारों को मिलेंगे पट्टे

बुधवार को पंचायत समिति के सभागार में होगा जिला स्तरीय समारोह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु श्रेणी के आवासहीन परिवारों को 02 अक्टूबर बुधवार को पट्टे दिये जायेंगे। राज्य, जिला व पंचायत समिति स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में चयनित लाभार्थियों को पट्टे वितरित किये जायेंगे। जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का लाईव प्रसारण जिला, पंचायत व ग्राम स्तर पर किया जायेगा। एसीईओ रामनिवास ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु भूखण्डहीन परिवारों को पट्टे दिये जायेंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम 02 अक्टूबर को पंचायत समिति कोटपूतली के सभागार में दोपहर 01 बजे से आयोजित होगा। जिसमें राजधानी जयपुर के कृषि प्रबंधन संस्थान दुर्गापुरा से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा दौरान वीसी के माध्यम से योजना में चयनित लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। जिला स्तर पर एसीईओ रामनिवास को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गये हैं। समारोह में भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री भूपेन्द्र यादव, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, जिला प्रभारी मंत्री विजय चौधरी, विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, नगर परिषद सभापति पुष्पा सैनी, प्रधान नेहा गुर्जर समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण भाग लेगें।

कृषि आदानों कृषि आदान विक्रेताओं व भंडारण का निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल

गुण नियंत्रण रबी अभियान 15 सितंबर 2024 से संचालित किया जा रहा है इसके तहत खाद बीज दवाई के कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों तथा गोदामो का सघन निरीक्षण किया जा रहा है, जिसके तहत आज दिनांक 1 अक्टूबर 2024 को सहायक नदी से कृषि विस्तार किशनगढ़ बास के डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के निर्देशन में आरती सैनी अधिकारी द्वारा मुंडावर पंचायत समिति की आधुनिकताओं की प्रतिष्ठानों तथा उनके गोदाम की जांच की गई जिसके तहत डॉ राजेंद्र बसवाल द्वारा गोयल खाद बीज भंडार, मुंडावर पिपली से दो सरसों बीज के नमूने लिया गया तथा आरती सैनी कृषि अधिकारी फसल द्वारा, सोनू खाद बीज भंडार मुंडावर से दो उर्वरक नमूना, यूरिया तथा कैल्शियम नाइट्रेट लेकर संबंधित प्रयोगशालाओं को मौके पर ही परीक्षण के लिए भिजवाया गया डॉक्टर राजेंद्र बसवाल द्वारा बताया गया की किसान भाई विभाग द्वारा पंजिकृत डीलर से ही कृषि आदान खरीदें तथा उनसे खरीद का पक्का बिल भी आवश्यक रूप से ले तथा अनियमितता करने वाले आदान विक्रेताओं के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं बीज नियंत्रण आदेश 1983 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 3/7 के तहत कानूनी कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

जिला प्रभारी मंत्री ने निकाली वरिष्ठ नागरिक जन तीर्थ यात्रा योजना के तहत चयनितों की लॉटरी

जिला स्तरीय अधिकारियों की ली विभागीय समीक्षा बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण राज्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी मंगलवार को जिले के दौरे पर रहे। इस मौके पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिक जन तीर्थ यात्रा योजना के तहत चयनितों की लॉटरी निकाली तथा जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागाधिकारियों से केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति द्वारा लॉटरी निकाली गई। जिसमें 272 यात्रियों का रेल यात्रा के लिए तथा 54 यात्रियों का हवाई यात्रा के लिए चयन किया गया। इस प्रकार जिले से रेल व हवाई यात्रा के कुल 326 तीर्थ यात्रियों का चयन लॉटरी के माध्यम से किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले से 468 आवेदन से 734 यात्रियों ने आवेदन किया है। जिले की जनसंख्या के अनुपात में योजना में जिले का तीर्थ यात्रियों का कोटा 326 है, जिसमें 272 रेल का व 54 हवाई यात्रा का कोटा है। प्रभारी मंत्री ने जिले से संबंधित सभी घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की और प्रत्येक घोषणा की स्थिति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घोषणा के क्रियान्वयन को नियमित फॉलो किया जाये। चौधरी ने कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में राज्य स्तर पर प्रक्रियाधीन प्रस्तावों को संज्ञान में लाया जायें। जिससे उनकी क्रियान्वित्ती में किसी भी प्रकार का विलंब ना हो तथा उनकी क्रियान्वित समय से हो सके जिससे आधारभूत संरचनाओं का विकास सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा आम नागरिकों के हित में जनकल्याण के लिए अनेक लाभकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिनके संचालन का उद्देश्य अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा रूट लेवल पर इनका प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें जिससे प्रत्येक पात्र परिवार तक इनका लाभ पहुंच सके। उन्होंने स्थानीय स्तर के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए जिला कलक्टर तथा संबंधित अधिकारियों से उनके समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने विभिन्न मुद्दों को लेकर मंत्री तथा अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। बैठक में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल, एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसीईओ रामनिवास सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समाज कल्याण सप्ताह का शुभारम्भ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जिला प्रशासन व आदर्श जन कल्याण समिति कोटपूतली के तत्वाधान में पंचायत समिति सभागार में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समाज कल्याण सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पेंशनर समाज के अध्यक्ष हीरालाल भूषण ने की। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी गजराज सिंह यादव, शिवकुमार शर्मा, मोनू शर्मा, आदर्श जन कल्याण समिति के अध्यक्ष पुष्कर शर्मा व वृद्धजन उपस्थित रहे। सभी वृद्धजनों को शॉल ओढ़ाकर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। गजराज सिंह ने बताया कि शेखस्पीयर के ड्रामा सेवन स्टेजेज ऑफ लाईफ में वृद्धावस्था को दूसरा बचपन बताया है, उन्होंने सभी वृद्धजनों को आपस में प्रेम और सौहार्द से रहने का संदेश दिया। मोनू शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही वृद्धजन कल्याण की योजनाओं के बारे में बताया। शिवकुमार शर्मा ने विभाग की अन्य योजनाओं से अवगत करवाते हुए वृद्धजनों के प्रति संवेदनशील होने, उनका सम्मान करने एवं उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का संदेश दिया। इस दौरान सुभाष चंद्र शर्मा, संतराम कश्यप, पूरणमल चौहान, गंगाराम वर्मा, मूर्ति देवी, इमली देवी, अरविंद गौतम, बृज भूषण कौशिक समेत अन्य मौजूद रहे।

रोड लाइट के पोल सड़क के नजदीक लगाए जाने से क्षेत्र वासियों में रोष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंडावर

मुंडावर नगर पालिका की ओर से कस्बे में हरसोली रोड पर लगाई जा रही रोड लाइट के पोल की डिस्टेंस सड़क के पास ही होने से नगर पालिका क्षेत्रवासियों ने रोष जताया हैं। अधिवक्ता जगन्नाथ यादव, अमित तिवारी, हंसराज यादव आदि ने बताया कि नगर पालिका की ओर से हरसोली सड़क मार्ग पर लगाई जा रहे रोड लाइट के पोल सड़क के काफी नजदीक है। जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इससे दिग्गर पोल का सड़क के नजदीक होने से अतिकर्मियों के लिए यह पोल नगर पालिका एवं पीडब्ल्यूडी के जगह की लक्ष्मण रेखा मानते हुए अतिक्रमण करने बाहान मिल जाएगा। जिससे अतिकर्मी भी पोल के नजदीक अपना निर्माण करने से नहीं हिचकेंगे। दूसरा सड़क का कभी चौड़ाईकरण होने पर ये पोल बाधा बने रहेंगे। जिसका खामिया जा हम सबको भुगतना पड़ेगा।

पीडब्ल्यूडी ने भी भेजा नोटिस

इधर रोड लाइट के पोल सड़क के काफी नजदीक होने पर पीडब्ल्यूडी ने भी अपने दायरे में पोल लगाने पर नोटिस भेजा है।

इनका कहना है

मेरे संज्ञान में आया है कि नगर पालिका की ओर से लगाई जा रही रोड लाइट के पोल सड़क काफी नजदीक एवं पीडब्ल्यूडी की जगह पर लगाए जा रहे हैं। जिसकी जांच नगर पालिका के कनिष्ठ अभियंता से कराई जाएगी।

सोनू गरिमा भारद्वाज चेयरमैन नगर पालिका मुंडावर।

महावारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य और पोषण के महत्व पर सत्र का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

मंगलवार को क्षेत्र के बीबीरानी राजकीय महाविद्यालय में बालिकाओं को महावारी स्वच्छता एवं पोषक तत्व संबंधी विषय पर ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड संस्था द्वारा सैशन के दौरान जानकारी दी गई। जिसमें डॉक्टर अरविंद गेट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा के दिशा-निर्देशानुसार समस्त बालिकाओं को उपरोक्त मुद्दों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। ममता दिल्ली ऑफिस से महक गुप्ता प्रोग्राम मैनेजर, रीना शर्मा डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ने माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य और पोषण पर विस्तृत जानकारी दी। शकील अहमद, ममता सैनी, सुनिता,उषा भी उपस्थित रहे। शकील अहमद ने सभी प्रतिभागियों को पोषण का जीवन मे महत्व के बारे मे जानकारी दी। ममता संस्था द्वारा तिजारा ब्लॉक में 18-49 तक शादीशुदा महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूकता का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके साथ-साथ यह संस्था निसंतानता पर भी विशेष रूप से कार्य और सहयोग कर रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीबीरानी के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर ब्रजवीर ने एनिमिया के लक्षण व बचाव के बारे में जानकारी दी। ममता संस्था की टीम ने महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर काकोली चौधरी व सी.एम.एच.ओ. डाक्टर अरविंद गेट का सहयोग एवं निर्देशन के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डॉक्टर सुचेता गुप्ता, प्रोफेसर डॉक्टर रुक्मिणी देवी, प्रोफेसर भगवती सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

प्रदेश में बाजरे के समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू किए जाने की मांग की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राज्य में बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू करने की मांग किसानों की ओर से उठाई गई है। जिला जाट महासभा के अध्यक्ष शेर सिंह गंडूरा ने केंद्र एवं राज्य सरकार से बाजरे की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए खरीद केंद्र खोले जाने की मांग की। जिससे किसान आसानी से अपने बाजरे को बेच सके। उन्होंने बताया कि किसान के साथ अन्याय हो रहा है, किसान का बाजार वर्तमान में मंडी में 2000 से 2400 रुपए प्रति क्विंटल तक है। केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। मंडी में बाजरा बेचने पर किसान को घटा हो रहा है। इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार जिम्मेदार है। सरकार को स्थिति को समझते हुए किसानों के हित में तुरंत प्रभाव से बाजरा खरीद केंद्र खोलने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यापारियों के साथ सरकार मिली हुई है और सारी नीतियां व्यापारियों के हिसाब से बनती हैं। किसान को सरकार उसकी फसल का उचित मूल्य नहीं देना चाहती है।

खबर संक्षेप

कोहली ने शाकिब को अपना बल्ला तोहफे में दिया

कानपुर। भारत के सुपर स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को यहां दो टेस्ट की श्रृंखला में घरेलू टीम के क्लीन स्वीप के बाद मेहमान टीम के जल्द ही संन्यास लेने वाले ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को अपने हस्ताक्षर वाला बल्ला तोहफे में दिया। यहां विदेशी सरजमीं पर अपना अंतिम टेस्ट खेलने वाले शाकिब पहले की स्पष्ट कर चुके हैं कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में तब तक नहीं खेलेंगे जब तक कि बांग्लादेश की मौजूदा कार्यवाहक सरकार उनके देश से बाहर जाने में किसी तरह की रुकावट नहीं आने का आश्वासन नहीं देती।

बोर्नेमाउथ ने साउथम्पटन को 3-1 से हराया

बोर्नेमाउथ (इंग्लैंड)। बोर्नेमाउथ ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में यहां साउथम्पटन को 3-1 से हरा दिया। सत्र के छह मैच के बाद भी साउथम्पटन को पहली जीत की तलाश है और टीम एक अंक जुटाकर वोल्वरहैम्पटन के साथ संयुक्त रूप से आखिरी पायदान पर है। निचली लीग से ईपीएल में आने वाली साउथम्पटन की 1998 के बाद लीग में यह सबसे खराब शुरुआत है। बोर्नेमाउथ की ओर से एवनिलसन (17वें मिनट), डेंगो ओउआटारा (32वें मिनट) और एंटोनी सेमेन्यो (39वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। साउथम्पटन की ओर से एकमात्र गोल टेलर हारवुड बेलिस ने 51वें मिनट में किया।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप 3 से, भारत की पहली भिड़ंत 4 को न्यूजीलैंड से

नई दिल्ली। महिलाओं का टी-20 विश्व कप इस बार 3 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर भारत की कमान संभालेंगी और स्मृति मंधाना उपकप्तान की भूमिका में दिखेंगी। आगामी संस्करण में भारत अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ करेगी। भारत के यह सभी ग्रुप मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे। भारत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में मुकाबला खेलेगी। इसके बाद 6 अक्टूबर को पाकिस्तान और 9 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ अपने मैच खेलेगी। यह दोनों मैच भी दुबई में ही खेले जाने हैं। भारत अपने आखिरी ग्रुप मैच में 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। यह मुकाबला शारजाह में खेला जाएगा। भारत के यह सभी ग्रुप मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे।

तुषार देशपांडे का लंदन में हुआ टखने का ऑपरेशन

मुंबई। दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से बाहर रहने वाले भारत और मुंबई के तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने लंदन में टखने का ऑपरेशन कराया। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में सर्जरी की जानकारी दी। देशपांडे को आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए मुंबई की संभावित खिलाड़ियों की 30 सदस्यीय सूची से बाहर रखा गया था। देशपांडे ने कहा यह बहुत राहत की बात है क्योंकि मैं काफी लंबे समय से इससे जूझ रहा था। मैं अपने परिवार, दोस्तों और अपने सभी प्रशंसकों का उनकी शुभकामनाओं, प्यार और भरोसे के लिए बहुत आभारी हूं।'

13 वर्षीय वैभव बने टेस्ट में सबसे जल्दी शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत की अंडर-19 टीम के वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट में ताबड़तोड़ शतक लगाया है। उन्होंने चेन्नई में खेले जा रहे मुकाबले में सिर्फ 58 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। 13 वर्षीय सूर्यवंशी अब अंडर-19 स्तर पर टेस्ट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने कंगारू गेंदबाजों की खूब पिटाई करते हुए ये रिकॉर्ड पारी खेली है।

सूर्यवंशी ने तोड़ा इनका रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने भारतीय बल्लेबाजों में मनजोत कालरा का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा है, जिन्होंने 101 गेंदों में शतक लगाया था। इस स्तर पर कालरा के बाद शुभमन गिल (109), आयुष बडोनी (110) और गौतम गंभीर (112) तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। विश्व क्रिकेट में अंडर-19 स्तर पर सूर्यवंशी से तेज शतक सिर्फ मोईन अली ने लगाया था। बता दें कि मोईन ने 2005 में सिर्फ 56 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था।

अंडर-19 क्रिकेट : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाया शतक

शतक लगाकर रन आउट हुए सूर्यवंशी

सूर्यवंशी 62 गेंदो पर 104 रन की पारी खेलकर रन आउट हुए। उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 14 चौके और 4 छक्के लगाए। फिलहाल भारतीय टीम ने 29 ओवर के बाद 165/3 का स्कोर बनाया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सभी विकेट खोकर 293 रन बनाए थे। भारतीय टीम पहली पारी के आधार पर फिलहाल 128 रन से पीछे है। अभी दूसरे दिन का खेल जारी है।

प्रथम श्रेणी डेब्यू करने वाले चौथे सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बने थे सूर्यवंशी

अपने आधिकारिक उम्र के मुताबिक, सूर्यवंशी प्रथम श्रेणी मैचों में डेब्यू करने वाले चौथे सबसे भारतीय युवा (12 साल और 284 दिन) बन गए थे। अलीमुद्दीन प्रथम श्रेणी डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय हैं, जिन्होंने 12 साल और 73 दिन की उम्र में (1942-43) अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी। एसके बोस ने 12 साल और 76 दिन (1959-60) में और मोहम्मद रमजान ने 12 साल और 247 दिन (1937) में अपना डेब्यू किया था।

अब तक 2 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं सूर्यवंशी

बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने रणजी ट्रॉफी 2024 में बिहार क्रिकेट टीम की ओर से अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू किया था। उन्होंने 2 मैचों की कुल 4 पारियों में 31 रन बनाए थे। प्रथम श्रेणी में डेब्यू से पहले वह कूच बिहार ट्रॉफी में कमाल कर चुके थे। उन्होंने 2023 संस्करण में बिहार की ओर से झारखंड के खिलाफ एक मैच में 28 गेंदों पर 22 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 151 रन बनाए थे।

भारत ने जीती टेस्ट सीरीज, दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

भारतीय गेंदबाजों की फिरकी में उलझी बांग्लादेश, दूसरे टेस्ट मैच में टेके घुटने

एजेंसी ▶▶| कानपुर

भारतीय गेंदबाजों की फिरकी में उलझी बांग्लादेश की टीम ने दूसरे टेस्ट मैच में घुटने टेक दिए। इस जीत के साथ भारत आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंच गया है। भारतीय टीम को भारत में हराने का सपना देखकर आए कप्तान नजमुल हुसैन शंटो की टीम बुरी तरह चरमरा गई। बारिश की वजह से ढाई दिन से अधिक का खेल खराब हुआ, लेकिन रोहित शर्मा की आक्रामक रणनीति ने टेस्ट को टी20 जैसा रोमांचक बना दिया। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को दूसरी पारी में 146 रनों पर ढेर किया तो उसे 95 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 3 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसमें रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह ने अहम भूमिका निभाई। यशस्वी जायसवाल को उनकी बेहतरीन पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए यशस्वी जायसवाल ने 51 रन, विराट कोहली ने नाबाद 29 और पंत नाबाद 4 रन बनाकर लौटे। दिलचस्प रूप से भारत ने अपने घर पर लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती है। बारिश के खलल के चलते पहले दिन सिर्फ 35 ओवर का खेल संभव हो पाया था। इसके बाद गीले मैदान के चलते दूसरे और तीसरे दिन कोई गेंद नहीं फेंकी जा सकी। आखिरी 2 दिन भारतीय टीम ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए मैच जीता।

यशस्वी प्लेयर ऑफ द मैच और अश्विन बने प्लेयर ऑफ द सीरीज

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सूची में टॉप पर भारत

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई करने के करीब पहुंच गई है। उसकी यह 11 मैचों में 8वीं जीत है, जबकि वह पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है। भारत के इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की होम सीरीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की अवे सीरीज खेलनी है। माना जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ वह आसानी से जीत हासिल कर लेगी।

रविंद्र जडेजा ने पूरे किए अपने 300 टेस्ट विकेट

बांग्लादेश की पहली पारी के दौरान जडेजा ने अपने 300 टेस्ट विकेट पूरे किए। वह ऐसा करने वाले भारत के कुल 7वें गेंदबाज और चौथे स्पिनर बने हैं। उनसे पहले अनिल कुंबले (619), रविचंद्रन अश्विन, कपिल देव (434), हरभजन सिंह (417), ईशांत शर्मा (311) और जहीर खान (311) ये आंकड़ा पार कर चुके हैं। जडेजा 300 विकेट के साथ-साथ 3,000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने हैं।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: नौ विकेट पर 285 रन
बांग्लादेश पहली पारी : 233

बांग्लादेश दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
शादमान का जायसवाल बो आकाश	50	101	10	0
जाकिर हसन फगावाधा बो अश्विन	10	15	1	0
हसन महमूद बो अश्विन	04	09	1	0
मोमीनुल हक का राहुल बो अश्विन	02	08	0	0
नजमुल हुसैन शंटो बो जडेजा	19	37	2	0
मुशफिकुर रहीम बो बुमराह	37	63	7	0
लिटन दास का पंत बो जडेजा	01	08	0	0
शाकिब अल हसन का एवं बो जडेजा	00	02	0	0
मेहदी हसन मिराज का पंत बो बुमराह	09	17	1	0
ताइजुल इस्लाम फगावाधा बो बुमराह	00	13	00	
खालिद अहमद नाबाद	05	11	1	0

अतिरिक्त : 09, कुल: 47 ओवर में सभी विकेट खोकर: 146 रन
विकेट पतन: 1-18, 2-26, 3-36, 4-91, 5-93, 6-94, 7-94, 8-118, 9-130
गेंदबाजी: बुमराह 10-5-17-3, अश्विन 15-3-50-3, आकाश दीप 8-3-20-1, सिराज 4-0-19-0, जडेजा 10-2-34-3

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
रोहित शर्मा का महमूद बो मिराज	08	07	1	0
यशस्वी का शाकिब बो ताइजुल	51	45	8	1
शुभमन गिल फगावाधा बो मिराज	06	10	1	0
विराट कोहली नाबाद	29	37	4	0
ऋषभ पंत नाबाद	04	05	1	0

अतिरिक्त:00 कुल:17.2 ओवर में तीन विकेट पर: 98 रन
विकेट पतन: 1-18, 2-34, 3-92
गेंदबाजी: मिराज 9-0-44-2 ,शाकिब 3-0-18-0, ताइजुल 5.2-0-36-1

इस तरह से जीती भारतीय टीम

बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में सभी विकेट खोकर 233 रन बनाए। मेहमान टीम से मोमिनुल हक ने नाबाद शतक (107*) लगाया। भारत से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 285/9 के स्कोर (34.4 ओवर) पर घोषित की। भारत से यशस्वी जायसवाल (72), केएल राहुल (68) और विराट कोहली (47) ने उम्दा पारियां खेलीं। दूसरी पारी में बांग्लादेशी टीम 146 पर ढेर हुई और भारत ने आसानी से लक्ष्य हासिल किया।

चीन ओपन

सबालेंका का विजय अभियान जारी कोको गॉफ से भिड़ेंगी ओसाका

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता एरिना सबालेंका ने सोमवार को यहां चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में एश्लिन क्रूगर को 6-2, 6-2 से हराकर लगातार 14वीं जीत दर्ज करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सबालेंका का सामना अब अमेरिका की मेडिसन कीज से होगा जिन्होंने ब्राजील की बीट्रिस हदाद माइया को 6-3, 6-3 से हराया। प्री क्वार्टर फाइनल

में सबालेंका की नजरें अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ लगातार 15 जीत की बराबरी करने पर होंगी।

चीन ओपन के फाइनल में पहुंचे अल्कारेज

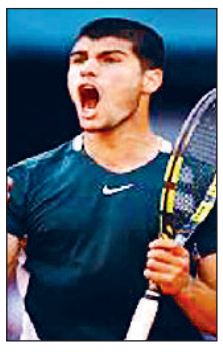

बीजिंग। विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने मंगलवार को यहां रूस के दानिल मेदवेदेव पर सीधे सेट में 7-5, 6-3 से जीत के साथ चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कारेज ने 88 मिनट में सेमीफाइनल जीतकर मेदवेदेव के खिलाफ अपने जीत-हार के रिकॉर्ड को 6-2 तक पहुंचाया। फाइनल में अब अल्कारेज का मुकाबला गत चैंपियन और शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी यानिक सिनर और चीन के वाइल्ड कार्ड धारक बु युनचाओकेट के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मैच के विजेता से होगा।

लीमा जूनियर विश्व चैंपियनशिप

पार्थ को दोहरी स्वर्णिम सफलता भारत का दबदबा बरकरार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पार्थ राकेश माने को दोहरी स्वर्णिम सफलता मिली जब उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक के अलावा पेरू के लीमा में चल रही आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए टीम स्वर्ण पदक भी जीता।

पार्थ ने अजय और अभिनव के साथ पुरुष टीम स्पर्धा जीती। व्यक्तिगत स्पर्धा के 24 शॉट के रोमांचक फाइनल में 16 वर्षीय पार्थ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 250.7 अंक हासिल किए और मौजूदा जूनियर एशियाई चैंपियन चीन के हुआंग लिवानलिन को 0.7 अंक से पछाड़ा। अमेरिका के ब्रैडेन पेसर ने कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन चौथे स्थान पर रहे जबकि गत दोहरे जूनियर विश्व चैंपियन रोमेन औफ्रेरे ने छठा स्थान हासिल किया। भारत अब तक पांच स्वर्ण पदक के साथ चैंपियनशिप में शीर्ष पर बना हुआ है।

पार्थ के हमवतन खिलाड़ी रहे इन स्थान पर

पार्थ के हमवतन और फॉर्म में चल रहे अजय मलिक तथा 15 वर्षीय अभिनव साव क्रमशः पांचवें और सातवें स्थान पर रहे। अजय शूट ऑफ में लिंडग्रेन से हार गए। उनके 186.7 अंक रहे जबकि अभिनव ने 144.2 अंक हासिल किए। इस स्पर्धा में भाग ले रहे दो अन्य भारतीय उमामहेश मादिनेनी (625.5) और तलवार सिंह (625.2) क्रमशः 13वें और 14वें स्थान पर रहे।

दिन का तीसरा स्वर्ण महिलाओं ने दिलाया

भारत को दिन का तीसरा स्वर्ण गौतमी मनोट, संभावी क्षीरसागर और अनुष्का ठाकुर की तिकड़ी ने जूनियर महिला 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा का खिताब जीतकर दिलाया। तीन भारतीय जूनियर महिला एयर राइफल निशानेबाज भी फाइनल में पहुंची लेकिन व्यक्तिगत पदक से चूक गईं।

शॉटगन रेंज में निराशाजनक प्रदर्शन

भारतीयों ने शॉटगन रेंज में जूनियर पुरुष और महिला स्कीट प्रतियोगिता में भी भाग लिया लेकिन फाइनल में नहीं पहुंच सके। गुरफतेह सिंह संधू ने क्वालीफिकेशन में 112 के स्कोर के साथ 29वां स्थान हासिल किया जबकि भवतेग सिंह गिल ने भी जूनियर पुरुष स्कीट में इसी स्कोर के साथ काउंटबैक में 31वां स्थान हासिल किया।

जर्मनी के खिलाफ हॉकी सीरीज के लिए शिविर में 40 संभावित खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस महीने के आखिर में यहां होने वाली दो मैचों की श्रृंखला की तैयारी के लिये बेंगलुरू में सीनियर पुरूष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 40 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। जर्मनी के खिलाफ 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर दो मैच खेले जायेंगे। शिविर एक से 19 अक्टूबर तक चलेगा। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता और चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब बरकरार रखा । शिविर में फोकस खिलाड़ियों के कौशल को निखारने और मैचों के दौरान की रणनीति पर होगा ।

संभावित खिलाड़ी :

गोलकीपर : कृशन बहादुर पाठक, पवन, सूरज करकेरा, मोहित
डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लाकड़ा, नीलम संजीप सेस, वरूण कुमार, यशदीप सिवाच, दिप्सन टिर्की, मनदीप मोर।
मिडफील्डर : राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, एम रविचंद्र सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह , राजिंदर सिंह, पूवन्ना।
सीबी फॉरवर्ड : अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य लालागे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, एस कार्ति, मनिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह।

चैंपियन्स लीग : रोनाल्डो के गोल से अल नस्र ने अल रेयान को हराया

एजेंसी ▶▶| रियाद

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल से सऊदी अरब के अल नस्र ने सोमवार को एएफसी चैंपियन्स लीग एलीट ग्रुप चरण के मैच में कतर के अल रेयान को 2-1 से हराया।

पांच बार के बेलोन डिओर पुरस्कार विजेता रोनाल्डो वायरल संक्रमण के कारण इराक के अल शोर्ता के खिलाफ दो हफ्ते पहले 1-1 से ड्रॉ रहे टीम के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे। सोमवार को उनका एक गोल ऑफ साइड हो गया लेकिन मैच खत्म होने से 14 मिनट पहले उन्होंने एक और गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

सादियो ने ठोका पहला गोल

लीवरपूल के पूर्व फारवर्ड सादियो माने ने मध्यांतर से ठीक पहले अल नस्र को बढ़त दिलाई जबकि रोनाल्डो ने टीम की बढ़त को 2-0 किया। मैच खत्म होने से तीन

मिनट पहले रोजर गुएडेस ने अल रेयान के लिए गोल दागा लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाए।

अन्य मुकाबलों के ऐसे रहे परिणाम

अन्य मुकाबलों में सऊदी अरब के अल अहली ने यूएई के अल वासल को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की जबकि कतर के अल साद ने ईरान के एस्टेघलाल को इसी अंतर से हराया। ईरान के पर्सेपोलिस और उज्बेकिस्तान के पाख्ताकोर का मुकाबला 1-1 से बराबर रहा।

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड तीन मैचों टेस्ट सीरीज 7 अक्टूबर से

मसूद पाकिस्तान और स्टोक्स संभालेंगे इंग्लैंड की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच 7 अक्टूबर से 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के अंतर्गत होने वाली इस सीरीज में शान मसूद पाकिस्तान की कप्तानी करेंगे, जबकि इंग्लिश टीम की कमान बेन स्टोक्स संभालेंगे। पिछली घरेलू सीरीज में बांग्लादेश से हारने वाली पाकिस्तानी टीम अपनी गलतियों में सुधार करना चाहेगी। इंग्लिश टीम फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका में (42.19) में चौथे स्थान पर है। पाकिस्तानी टीम 19.05 प्रतिशत अंको के साथ आठवें पायदान पर है।

7 अक्टूबर से शुरू होगी टेस्ट सीरीज

सीरीज का पहला टेस्ट 7 अक्टूबर से और दूसरा टेस्ट 15 अक्टूबर से खेला जाएगा। सीरीज के शुरुआती दोनों मैच मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 24 अक्टूबर से रावलपिंडी क्रिकेट में खेला जाएगा। ये तीनों मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगे। इंग्लिश टीम फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका में (42.19) में चौथे स्थान पर है। पाकिस्तानी टीम 19.05 प्रतिशत अंको के साथ आठवें पायदान पर है।

पाकिस्तानी टीम : शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उपकप्तान), आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, मीर हमजा, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), नसीम शाह, नोमान अली, सैम अयूब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेटकीपर) और शाहीन अफरीदी।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम : बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जोश हल, जैक लीच, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन और क्रिस वोक्स।

इंग्लैंड का पलड़ा रहा है भारी

दोनों देशों की भिड़ंत में इंग्लैंड का पलड़ा भारी रहा है। अब तक ये दोनों टीमें कुल 89 मैचों में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 29 मैच इंग्लैंड ने और 21 मैच पाकिस्तान ने अपने नाम किए हैं। इनके अलावा 39 मैच ड्रॉ रहे हैं। पाकिस्तान ने 2018 के बाद से इंग्लैंड को नहीं हराया है। पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 8 टेस्ट सीरीज में हराया और 11 टेस्ट सीरीज में शिकस्त का सामना किया है।

पाकिस्तान ने सिर्फ पहले टेस्ट के लिए चुनी है टीम

पाकिस्तान ने पहले टेस्ट के लिए बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली को चुना गया है। उनके अलावा कामरान गुलाम और मोहम्मद अली टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में टीम का हिस्सा थे।

जहाजपुर में बाजार बंद, महापड़ाव शुरू, 400 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का जाब्ता तैनात, लोग कर रहे हैं भजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

जल झूलनी एकदशी पर भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर कस्बे में जुलूस पर हुए पथराव के विरोध में मंगलवार को महापड़ाव शुरू हो गया है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई समेत 12 मांगों को लेकर विधायक गोपीचंद मीणा और हिंदू संगठन के लोग भी धरना स्थल पर पहुंचे।

बस स्टैंड पर आजाद चौक में जुटे लोग

दोपहर करीब 12 बजे लोग कल्याण जी मंदिर में दर्शन कर जहाजपुर बस स्टैंड पहुंचे। इसके बाद कस्बे के आजाद चौक पर एकत्रित हुई भीड़ ने पंडाल में भजन करना शुरू कर दिए। विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा- सरकार हमारी हैं, मांगे मान ली जाएगी। सीएम को मांगों से अवगत करा दिया है। मैं यहां विधायक नहीं, एक हिन्दू होने के नाते बैठा हूं। मामले में सर्व समाज का निर्णय स्वीकार्य रहेगा। इधर, भीड़ को देखते हुए मौके पर करीब 400 पुलिसकर्मियों का जाब्ता तैनात किया गया है। अलग-अलग मांगों को लेकर जहाजपुर तहसील के सभी व्यापारी संघ ने विरोध में आज दुकानें बंद रखी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि 14 सितंबर को जहाजपुर कस्बे में जुलूस पर पथराव हुआ था। इस मामले में विधायक गोपीचंद मीणा के नेतृत्व में तीन दिनों तक धरना चला था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने धरना समाप्त कर दिया था। सहमति बनी थी कि 3 दिन में सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब लोगों का कहना है कि आश्वासन के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब प्रशासन मांगें नहीं मानेगा तो अनिश्चितकालीन महापड़ाव होगा और बाजार बंद रखे जाएंगे। इधर,महापड़ाव और बंद को लेकर कस्बे में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। जगह-जगह ट्रैफिक को डायवर्ट करने और रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई है। इसके साथ ही चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। मौके पर एडिशनल एसपी शाहपुरा , डिप्टी शाहपुरा चार थानों के थाना प्रभारी सहित रिजर्व पुलिस बल के 400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। लोगों की मांग है- पथराव की घटना में शामिल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। इसके साथ जहां से पथराव हुआ उस बिल्डिंग का सीमांकन, नगर में 1980 के सर्वे के बाद बनी अवैध इमारतों को ध्वस्त करने, लाउड स्पीकर हटवाने समेत 12 सूत्री मांगों को पूरा करने के लिए महापड़ाव किया जा रहा है।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश उपाध्याय का कहना है कि महापड़ाव को लेकर सभी तैयारियां सोमवार से शुरू कर दी गई थीं. कल से ही आने वाले लोगों के लिए यहां भोजन की व्यवस्था की जा रही है. इसमें करीब 1 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना हैं. महापड़ाव में शामिल होने से पहले श्रद्धालु कल्याण जी मंदिर पीतांबर राय जी के दर्शन करने जाएंगे. महापड़ाव के मद्देनजर जहाजपुर कस्बे के बाजार पूरी तरह बंद है. यह आंदोलन 12 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है. 14 सितंबर 2024 को भगवान पिताम्बरदास महाराज के बेवाण पर हमले के नामजद आरोपियों, सहयोगियों, उकसाने वाले व शरण देने वालो की गिरफ्तारी हो. जहाजपुर नगर में अवैध धर्म मस्जिद, नागदी नदी के बहाव क्षेत्र में दोनों धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से निमार्ण कर अतिक्रमण कर रखा है, जिसको अविलम्ब अतिक्रमण ध्वस्त किया जाए. हनुमान गेट स्कूल के सामने व अन्य स्थानों पर ह॥-148 पर अवैध दुकानें बनाकर अतिक्रमण कर रखा है. यहां पर आपराधिक गतिविधियां होती हैं, जिनको बिना देरी हटाया जाए. जहाजपुर नगर में हिन् धार्मिक स्थलों के पास संचालित मांस व अंडे की दुकानों को हटवाया जाए. हिन्दू आस्था स्थल निलेश्वर महादेव व धास भेरू व देवनारायण मन्दिर चारहाटडिया बस्ती जिर्णोद्वार की स्वीकृति मिले. जहाजपुर नगर में 1980 के सर्वे के पश्चात अवैध तरीके से बनी मजारे बनी हैं, उनको ध्वस्त किया जाए. बस स्टैंड से गुमछा बस्ती से होकर रावतखेडा आम रास्ता, जो कबिस्तान के मध्य से होकर निकलता है, उसको नाप कर खुलासा करवाया जाए. जहाजपुर नगर में हाथी देह बालाजी मन्दिर के आसपास के क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध तरीके से आवासीय निमार्ण एवं अन्य निमार्ण किया गया है, जिसे बिना देरी हटवाया जाए. जहाजपुर नगर में मस्जिदों पर बड़े-बड़े बिना अनुमति के लाउड स्पीकर लगाकर ध्वनि प्रदूषण कर आमजन को परेशान किया जाता है, जिनको हटाया जाए.

मेरा नाम सुमेर है मैं अभी जिंदा हूं, तख्ती पर लिखकर कलेक्ट्रेट पहुंचा युवक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पीपाड़ सिटी

पीपाड़ सिटी के रहने वाले सुमेर सिंह का नगर पालिका ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया. अब वह खुद को जिंदा होने के लिए कलेक्ट्रेट के चक्कर लगा रहा है. सुमेर सिंह पुत्र सोहनलाल कच्छावाहा (23) जोधपुर के उचियादा बेरा के पीपाड़ सिटी का रहने वाला है. हाल ही में उसकी शादी हुई थी. उसने पत्नी के डॉक्यूमेंट्स कराया और विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ई-मित्र पर गया था. परिवार के सदस्यों की लिस्ट अपडेट करवाने पर पता चला कि परिवार की सूची और राशन कार्ड से नाम कट गया है. सुमेर जब पीपाड़ सिटी नगर पालिक में जाकर पूछा तो उसे भगा दिया गया. 181 हेल्पलाइन नंबर पर फोन करने पर पता चला कि उनकके उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है. उनके मृत्यु प्रमाण पत्र बनने की जानकारी दी. दोबारा सिटी नगर पालिका जाने पर उसे वहां से भगा दिया गया. इसके बाद सुमेर सिंह जिला कलेक्ट्रर को ज्ञापन सौंपा. दस्तावेज की गलती को सुधरवाने की मांग की. फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र को सही कराकर कागज में ठीक कराने की मांग की. जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. कुछ दिन पहले नगर निगम दक्षिण में भी ऐसे ही एक जीवित व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र बना दिया गया था.

अजमेर कलेक्ट्रेट पर कांग्रेस नेताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

भाजपा सरकार के खिलाफ अजमेर शहर जिला कांग्रेस ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस बीच कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्का-मुक्की भी हो गई। कांग्रेसियों ने कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि राजस्थान में पिछले 10 महीने से भाजपा की सरकार है। प्रदेश में बेरोजगारी, अपराध और महंगाई चरम पर है। 10 साल में भाजपा के द्वारा किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं किए हुए हैं। प्रशासन भी भारतीय जनता पार्टी के एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। इस पर तुरंत प्रभाव से अंकुश लगना चाहिए। हरियाणा की तर्ज पर राजस्थान में भी डीजल-पेट्रोल के भाव होने चाहिए। राजस्थान में जो भी घटनाएं हो रही है वह शर्मनाक बात है। इस तरह की कभी स्थिति देखने को पहले नहीं मिली थी। इसी के तहत प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर आज प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया है। पूर्व विधायक गोपाल बाहेती ने कहा कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस के द्वारा सभी जिला मुख्यालय प्रदर्शन कर ज्ञापन दिए गए हैं। सरकार से यही मांग है कि सड़क, पानी, बिजली और कानून व्यवस्था को ठीक करने की मांग की गई है।

भारत-पाक बॉर्डर पर मिला ड्रोनए पाकिस्तान से सटी सीमा पर रेतीले धोरों पर कैमरों से लैस ड्रोन मिला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बीकानेर

बीकानेर के खाजूवाला में स्थित भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर कैमरों से लैस एक ड्रोन मंगलवार को बरामद हुआ है। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर तारबंदी से महज एक किलोमीटर दूरी पर मिला ये ड्रोन पाकिस्तान का हो सकता है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई है। खाजूवाला के रोही इलाके में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर की नीलकंठ पोस्ट के 6 बीजीएम गांव के नजदीक एक कैमरों से लैस ड्रोन गिरा है। जहां रेतीले धोरों में ड्रोन पड़ा मिला है। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। आशंका है कि यह ड्रोन पाकिस्तान की तरफ से आकर गिरा है। यहां से बॉर्डर की तारबंदी से सिर्फ 1 किलोमीटर दूर है। जंगल में भेड़-बकरियां व गाय चराने वाले ने पशुपालक मोहम्मद हुसैन अलादीन ने सबसे पहले यह ड्रोन देखा और फिर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व जिम्मेदार ग्रामीण मुमताज अलदीन को इसकी सूचना दी। मुमताज ने तत्काल प्रभाव से बीएसएफ व खाजूवाला पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद खाजूवाला से बीएसएफ कमांडेंट महेंद्र सिंह व इंटेलिजेंस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।जांच-पड़ताल के बाद बॉर्डर क्षेत्र में बीएसएफ व पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सर्च अभियान चलाया। आमतौर पर ऐसे ड्रोन से हेरोइन सप्लाई की जाती है। ऐसे में अंदेशा है कि आसपास के क्षेत्र में हेरोईन फैंकने के बाद ये ड्रोन वापस नहीं लौट पाया। इन दिनों बीकानेर के अलावा श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ जिले में सरहदी क्षेत्र में ऐसी घटनाएं ज्यादा देखने को मिल रही है। हांलाकि बीएसएफ व पुलिस की चौकसी से लगातार कार्रवाई की जा रही है।बीएसएफ ने ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया है और गहनता से जांच की जा रही है।

प्रतापगढ़ में बिजली कटौती से आमजन परेशान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ में बिजली कटौती को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। गांव वालों का कहना है कि पीपलखूंट और सुहागपुरा के ग्रामीण क्षेत्र में हमेशा शाम के समय से बिजली विभाग की ओर से कटौती कर दी जाती है। जिससे पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बिजली के गुल होने जाने से काफी परेशानियों का सामान करना पड़ता है। स्कूली बच्चों और अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स की पढाई में काफी बाधा हो रही है। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से आमजन को वन्य जीव जानवरों का भी डर सता रहा है। इस दौरान गांव वालों ने मांग की है कि सरकार मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराएं।

जोधपुर एयरपोर्ट पर पैसेंजर के हैंडबैग में मिला जिंदा कारतूस, सीआईएसएफ की सूचना पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जोधपुर

जोधपुर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में जाने से पहले यात्रियों की तलाशी के दौरान सीआईएसएफ ने एक यात्री के बैग में अवैध कारतूस बरामद किया. इसके बाद सीआईएसएफ ने एयरपोर्ट थाना पुलिस को वारदात की जानकारी दी. मौके पर पहुंचकर अधिकारियों ने यात्री को गिरफ्तार कर लिया.

जापान जाने की थी प्लानिंग

एयरपोर्ट थाने के जांच अधिकारी राम खिलाड़ी मीणा ने बताया कि पकड़ा गया युवक जोधपुर के बालेसर में विजयनगर खुडियाला का रहने वाला है. वो जोधपुर से दिल्ली और दिल्ली से जापान जाने वाला था. उसके हैंडबैग को स्कैन करने पर सीआईएसएफ को कारतूस मिला था. इसके संबंध में सीआईएसएफ ने एयरपोर्ट थाना पुलिस को सूचित किया, जिस पर एयरपोर्ट थाना पुलिस ने आरोपी जसवंत सिंह को आर्म्स एक्ट के मामले में गिरफ्तार कर लिया.

हॉर्स राइडर है आरोपी जसवंत

जसवंत सिंह 9 सालों से जापान में हॉर्स राइडिंग का कार्य करता है. पिछले महीने की 13 सितंबर को ही जसवंत सिंह भारत आया था, और उसे खुद ही नहीं मालूम है कि यह कारतूस आया कहां से है. जसवंत ने बताया कि उसके हैंडबैग में सिर्फ कुछ सिक्के रखे हुए थे. उसके बीच में यह किसने रखा, इसकी उसे जानकारी नहीं है. फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है.

किन्नर रिवॉल्वर के साथ गिरफ्तार

जसवंत सिंह जोधपुर से दिल्ली एयर इंडिया की फ्लाइट से जाने वाला था और वहां से उसे जापान जाना था, लेकिन अब एयरपोर्ट थाना पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है. आज उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा. फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है. हम आपको बता दें कि जोधपुर एयरपोर्ट पर पिछले महीने भी एक किन्नर को रिवाल्वर और कारतूस ले जाते हुए पकड़ा गया था. अब फिर सोमवार को दिल्ली जाते यात्री से अवैध कारतूस बरामद किया गया है.

सरकारी स्कूल के पोषाहार में रेंगते नजर आए कीड़े, 80 बच्चों के लिए बनती थी केवल 2 किलो सब्जी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जालोर

राजस्थान में जालोर जिले के भाद्राजून थाना क्षेत्र के मालगढ़ के सरकारी स्कूल के पोषाहार में अनियमितताओं के वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं. जिसमें पोषाहार में इल्लियां और कीड़े रेंगते नजर आए. हालात इस हद तक बिगड़ चुके हैं कि यहां 80 बच्चों के लिए सिर्फ 2 किलो सब्जी ही पकाई जाती है. ग्रामीणों ने इस अनियमितता के खिलाफ रोष जताते हुए स्कूल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया और अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की.

पोषाहार के अंदर रेंगते नजर आए कीड़े

जानकारी के अनुसार मालगढ़ के सरकारी स्कूल के पोषाहार के अंदर कीड़े रेंगते नजर आए. इतना ही नहीं नोरवा उपसरपंच सायरा राम का बेटा भी इसी स्कूल में पढ़ता है. बच्चों के स्वास्थ्य के साथ हो रही लापरवाही को देखकर उपसरपंच के बेटे व अन्य छात्रों ने इसकी शिकायत अपने परिजनों से की. जिसके बाद सभी ग्रामीण स्कूल पहुंचे और पोषाहार की जांच की मांग की. जांच के बाद पता चला कि बच्चों को खिलाए गए चावल में कीड़े थे और गेहूं में कीड़े रेंग रहे थे. सरपंच व ग्रामीणों ने स्कूल प्रिंसिपल राजेंद्र सिंह व स्कूल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया और इसकी शिकायत विभाग के अधिकारियों से की. बता दें कि जिले के इस स्कूल की क्षमता 80 से अधिक बच्चों के पढ़ने की है. बच्चों की संख्या ज्यादा न होने के वाबजूद भी स्कूल प्रबंधन की इस लापरवाही से परिजन काफी गुस्से में है. उन्होंने बताया कि उन्हें बच्चों ने बताया कि घटिया पोषाहार खिलाने के साथ यहां 80 बच्चों पर केवल 2 किलो ही सब्जी बनती है. मामले को लेकर ग्रामीणों की शिकायत पर पीओ ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मनोहर सिंह मेहरू ने बताया- शिक्षक छुटी पर थे.

सिगरेट नहीं देने पर दुकानदार को पीटा, पुलिस पर स्कार्पियो चढ़ाने की कोशिश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मथुरा गेट

मथुरा गेट थाना क्षेत्र में स्कॉर्पियो पर आए चार बदमाशों ने सिगरेट उधार नहीं देने पर दुकानदार को पीट दिया. दुकान में रखे सभी सामान को फेक दिया. गल्ले में रखे रुपए निकाल लिए. सूचना पर पहुंची पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारकर भागने का प्रयास किया. इसके बाद भी पुलिस ने दो बदमाशों को पकड़ लिया. स्कार्पियो गाड़ी को भी बरामद कर लिया. बूथ मालिक सतीश शर्मा ने बताया, "सोमवार (30 सितंबर) देर रात डेयरी बूथ पर बच्चे को खाना देने गया था. उसी समय एक स्कार्पियो गाड़ी रुकी, जिसमें चार लोग बैठे थे. एक गाड़ी से उतरा और मेरे पास आकर सिगरेट मांगने लगा. जब हमने कहा कि मैं सिगरेट नहीं बेचता, तो उन्होंने सिगरेट लाने के लिए कहा. उन्होंने मेरे साथ मारपीट करते हुए बूथ के अंदर घुसकर सामान को भी बिखेर दिया." सतीष गर्ग ने बतया, "करीब 8 हजार 7 सौ रुपए नगद भी चुरा ले गए. चारों बदमाशों में से एक के हाथ में कट्टा और दूसरे के हाथ में डंडा था. उन लोगों ने मुझे धमकाते हुए कहा कि आगे से हम किसी भी सामान का पैसा नहीं देंगे. इसी समय मेरे बच्चे ने 112 नंबर पर फोन कर घटना के बारे में जानकारी दी. कुछ ही समय में मथुरा गेट थाना पुलिस और सारस चौकी पुलिस मौके पर पहुंची." उन्होंने बताया, "पुलिस को देख बदमाश गाड़ी को लेकर भागने लगे. भागने के दौरान बदमाशों को जब पुलिस ने रोकने के प्रयास किया, तो बदमाशों ने गाड़ी पुलिस पर चढ़ाने का प्रयास किया. इस दौरान बदमाशों की गाड़ी एक मकान में जा घुसी. मकान की बाउंड्री टूट गई. गाड़ी में से भागते हुए बदमाशों में से दो को पुलिस ने पकड़ लिया और दो भाग गए. थाना प्रभारी करण सिंह राठौड़ ने बताया, "सोमवार देर रात कुछ एक दुकानदार के साथ मारपीट की सूचना मिली थी. मौके पर पुलिस ने पहुंच कर दो बदमाशों को पकड़ लिया है. एक स्कॉर्पियो गाड़ी को भी जप्त कर लिया. पकड़े गए दोनों बदमाश की पहचान राघवेंद्र उर्फ धम्मू भरतपुर और दूसरा सुभम अजान डीग जिले के रूप में हुई है.

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, बुलडोजर एक्शन पर सांसद का बयानए कहा- स्टे के बावजूद गुंडागर्दी कर रहे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मंगलवार को दौसा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ के नेतृत्व में विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल के नाम कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सांसद मुरारीलाल मीणा ने कहा- कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं को बंद कर दिया गया है। खाद बीज नहीं मिलने से किसान परेशान हैं। योजनाओं की समीक्षा करने के नाम पर राज्य सरकार लोगों का ध्यान भटका रही है। विकास के मुद्दे की बजाय जाति-धर्म की बात करते हैं। आगामी दिनों में होने वाले उपचुनाव को लेकर कहा- पिछले 10 महीने में जो काम हुए हैं। उन्हें देखकर उपचुनाव के रिजल्ट का लोगों को अभी से पता लग गया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट द्वारा बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने के सवाल पर कहा कि स्टे के बावजूद गुंडागर्दी की जा रही है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिसके सारे काम रेगुलर हैं। उस निर्माण को नहीं तोड़ा जाए। पूर्व मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही लोग स्वयं को ठगा महसूस कर रहे हैं। जनता के लिए काम करने की बजाय कांग्रेस सरकार की नीतियों पर दोषारोपण करने का काम कर रहे हैं। जिससे भाजपा सरकार व उनके नेता मजाक के पात्र बनकर रह गए हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार के 10 माह के शासनकाल में जनहित में किसी प्रकार का ठोस निर्णय नहीं लिया गया। बारिश से किसानों की फसलों में हुए नुकसान का मुआवजा मिले। साथ ही खाद बीज उचित दामों पर मिले। खाद बीज की कालाबाजारी की रोकथाम की जाए। बिजली-पानी के संकट से लोग परेशान हैं। इस दौरान दौसा प्रधान प्रहलाद मीणा, लवाण प्रधान बीना बैरवा, नांगल प्रधान दिनेश मीणा, पीसीसी सदस्य कमल मीणा, सुरेंद्र गुर्जर, पूर्व प्रधान डीसी बैरवा, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव करतार माल, सिकराय ब्लॉक अध्यक्ष खेमराज मीणा, जिला परिषद सदस्य मेघराम नांदरी, लटूरमल सैनी, रुक्मणि गुप्ता समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीकर पुलिस ने हनीट्रैप गैंग के 7 आरोपियों को पकड़ा, महिलाएं बातचीत कर फंसाती थी, फिर करते थे लूट

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर पुलिस ने हनीट्रैप गैंग के 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आपस में रिश्तेदार और परिचित है। पुलिस ने कॉन्स्टेबल को बोगस ग्राहक बनाकर भेजा था। इसके बाद महिलाओं को पकड़ा गया लेकिन बाकी लोग भाग गए। सभी के रींगस के पास जालपाली के पास घूमने की सूचना मिली, जिसके बाद पकड़े गए। वारदात के दौरान काम में ली गई गाड़ी भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जिला एसपी भुवन भूषण यादव ने मंगलवार को पूरे मामले का खुलासा किया है। मामले के अनुसार एक सितंबर को बरकत अली निवासी मुंडवाड़ा ने सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि 31 अगस्त को सांवली सर्किल पर उन्हें दो लड़कियां मिली थी। दोनों ने लिफ्ट मांगी। इस पर मदद के तौर पर दोनों लड़कियों को अपनी गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद दोनों ने गाड़ी को किराए पर लिया। गाड़ी को कुंडलपुर की तरफ ले जाने को कहा। जैसे ही गाड़ी आगे पहुंची तो दोनों लड़कियों के साथी पांच पुरुष और एक अन्य महिला साथी आ गए। सभी ने मिलकर मारपीट की और दूसरी गाड़ी में डालकर कोछोर के रास्ते खंडेला में धर्मपूरा गांव की तरफ ले गए। इसके बाद बदमाशों ने गाड़ी के डॉक्यूमेंट सहित अन्य कागज भी छीन लिए। गैंग से जुड़े लोगों ने बरकत से 10 लाख रुपए मांगे। पैसे नहीं देने पर रेप जैसे केस में फंसाने की धमकी और जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने डराने और धमकाने के बाद 26 हजार रुपए बरकत ने ट्रांसफर किए। इसके बाद बदमाश बरकत की गाड़ी को खराब होने पर खंडेला के पास ही छोड़कर चले गए। पुलिस के पास इस केस में कोई भी क्लू नहीं था, जिससे कि पुलिस सीधे आरोपियों तक पहुंच सकें। ऐसे में पुलिस ने ह्यूमन इंटेलिजेंस के जरिए और परिवादी के मोबाइल नंबरों के आधार पर एक आरोपी की पहचान की। फिर पुलिस थाने के कांस्टेबल बाबूलाल को बोगस ग्राहक बनाया गया। पहचान किए अपराधी के द्वारा कॉन्स्टेबल बाबूलाल के नंबर गैंग की महिला के पास पहुंचाए गए। गैंग की महिला ने कॉन्स्टेबल को मिलने के लिए खाटू मोड पर बुलाया। 25 सितंबर को मिलना तय हुआ तो गैंग की महिला ने पहले खाटू मोड़ पर मिलने के लिए बुलाया लेकिन यहां भीड़ ज्यादा होने के चलते बाईपास पर मिलने की बात कही। जैसे ही कॉन्स्टेबल बाबूलाल बाईपास पहुंचा तो गैंग की महिला उसकी गाड़ी में आकर बैठ गई और गाड़ी को खंडेला रोड की तरफ ले चलने के लिए कहा। गाड़ी करीब 1 किलोमीटर चली इसके बाद एक स्विफ्ट गाड़ी में तीन युवक और एक महिला आए और बोगस ग्राहक बने कॉन्स्टेबल को गाड़ी से नीचे उतारने का प्रयास किया। इसी बीच कॉन्स्टेबल के साथ मौजूद टीम के लोग वहां पहुंच गए। उन्होंने गैंग की दोनों महिलाओं को पकड़ लिया लेकिन गैंग से जुड़े तीन बदमाश वहां से फरार हो गए। इन बदमाशों की गाड़ी का करीब 10 किलोमीटर बाद में टायर भी फट गया लेकिन वह फसल में छुपकर फरार हो गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों महिलाओं से पूछताछ की। इसके साथ ही महिलाओं को परिवादी बरकत के नंबर उपलब्ध करवाने वाले आरोपी शंकरलाल बावरिया निवासी मुंडवाड़ा को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली कि गैंग से जुड़े रामकरण, कृष्ण उर्फ टमका, गणेश बावरिया और अजीत कुमार किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में रींगस के पास जालपाली मोड पर घूम रहे हैं। ऐसे में पुलिस वहां पहुंची जहां से चारों को गिरफ्तार कर लिया।

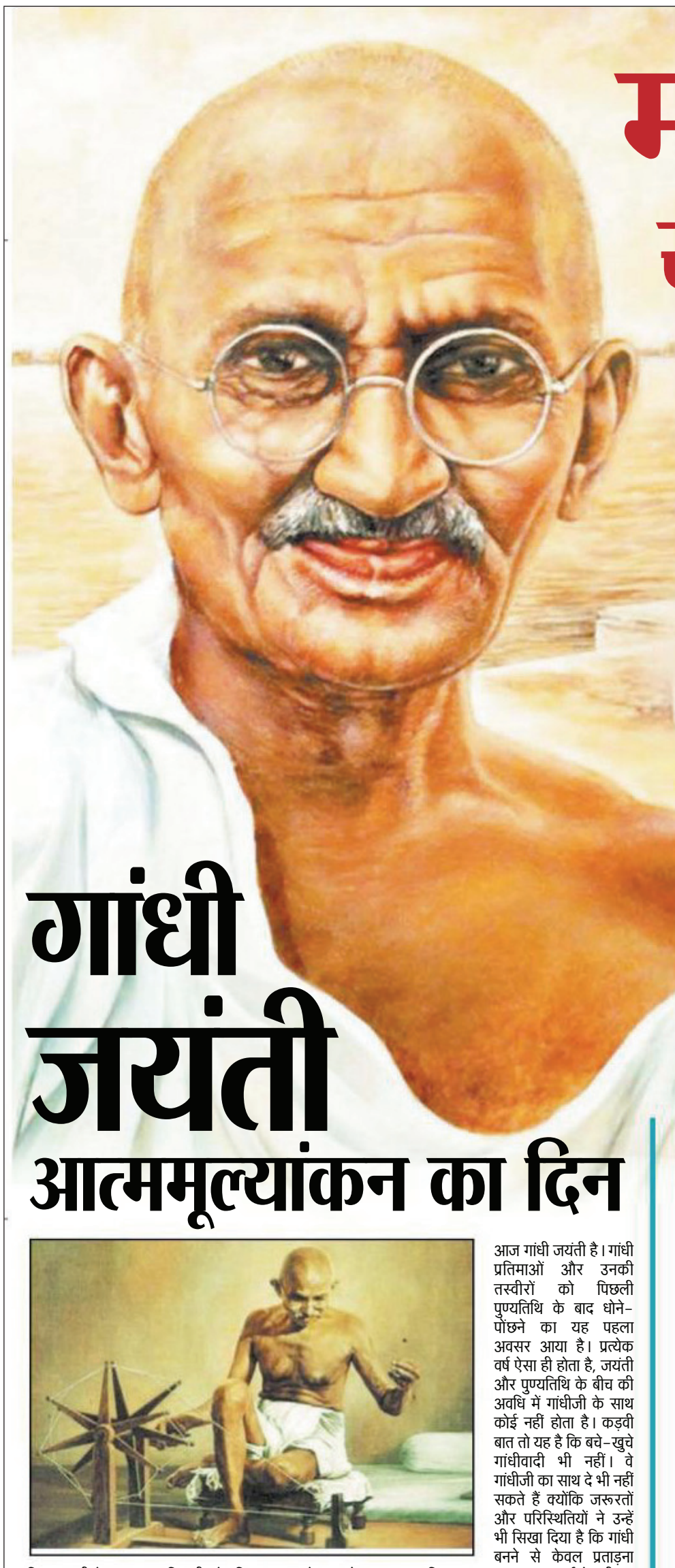

महात्मा गांधी
स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है ।

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टेगौर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और पंरपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के जुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा

गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्टी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

गांधी जयंती
आत्ममूल्यांकन का दिन

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेंस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।

खबर संक्षेप

जावा ने की फ्लिपकार्ट के साथ साझेदारी

पुणे। जावा येजडी मोटरसाइकिल्स ने फ्लिपकार्ट के साथ सहयोग की घोषणा की है, जो भारत में प्रीमियम

मोटरसाइकिल बाजार में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी जावा येजडी को फ्लिपकार्ट के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों की पेशकश करने वाली पहली प्रीमियम मोटरसाइकिल निर्माता बनाती है, लक्ष्य देशभर में उत्साही लोगों के हाई-एंड मोटरसाइकिलों तक पहुंचने और उन्हें खरीदने के तरीके में सुधार करना है।

ओप्पो को आफ्टरसेल्स सर्विस में पहला स्थान

नई दिल्ली। ओप्पो इंडिया आफ्टर-सेल्स और कस्टमर सर्विस में पहले स्थान पर आया है। इसके 62 फीसदी ग्राहकों को उनकी इन-स्टोर आफ्टर-सेल्स सर्विस बहुत 'संतोषजनक' महसूस हुई। अगस्त, 2024 में काउंटरपॉइंट रिसर्च में भारत के सर्वोच्च पाँच मोबाईल ब्रांड्स के 2000 से ज्यादा ग्राहकों का सर्वे करके उनके आफ्टर-सेल्स सर्विस अनुभव के बारे में जाना गया। इस सर्वे में अपने नए जनरेशन के सेंटर्स द्वारा सर्विस अनुभव में सुधार लाने के लिए ओप्पो इंडिया का ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण सामने आया।

सुदर्शन के बोर्ड ने 1:10 स्टॉक स्प्लिट को दी मंजूरी

मुंबई। सुदर्शन फार्मा इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो कि रासायनिक और फार्मास्युटिकल व्यवसाय में अग्रणी नाम है, ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन / स्टॉक स्प्लिट के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव के तहत 1 शेयर को विभाजित कर 10 शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा, जो कि शेयरधारकों की मंजूरी और अन्य आवश्यक अनुमोदनों पर निर्भर है। कंपनी ने एक नई सहायक कंपनी सुदर्शन मेवन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की है।

डायसन ने की नए प्रोडक्ट्स की घोषणा

नई दिल्ली। डायसन ने ब्यूटी, ऑडियो और होम कैटेगरी में चार नए प्रोडक्ट्स पेश किए हैं। इंडियन मार्केट में हिस्सेदारी बढ़ाने और विस्तार करने के लिए डायसन ने हाई-परफॉर्मेंस टेक्नोलॉजी को भारत में पेश किया है। डायसन के यह प्रोडक्ट्स कंपनी की योजना के अनुसार सिलेसिलेवार सामने आएंगे। नए लाइनअप में दो एडवांस हेयर स्टाइलिंग टूल शामिल हैं डायसन एयररैप आईडी मल्टी-स्टाइलर और ड्रायर, डायसन सुपरसोनिक नूरल हेयर ड्रायर, डायसन का पहला ऑडियो-ओनली प्रोडक्ट ऑनट्रैक हेडफ़ोन और कंपनी का पहला डेडिकेटेड वेट क्लीनर - डायसन वॉशजी1 वेट फ़्लोर क्लीनर।

मैनिक्सिया ने 200 करोड़ का अनुबंध जीता

मुंबई। मैनिक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एक प्रमुख यूरोपीय ग्राहक के साथ लगभग 200 करोड़ का महत्वपूर्ण अनुबंध हासिल किया है। इस समझौते के तहत अगले 12 महीनों में 20,000 मीट्रिक टन प्री-पेंटेड स्टील कॉइल्स, अलु-जिंक कोटेड स्टील कॉइल्स और गैल्वनाइज्ड स्टील उत्पादों की आपूर्ति की जाएगी। यह समझौता एक नियमित ऑर्डर में बदल सकता है, जो आने वाले वर्षों में एमसीएमआईईएल के लिए स्थिर राजस्व का स्रोत बन सकता है।

मेर्स्क 'इक्वल एट सी' 2027 लक्ष्य के करीब पहुंचा

मुंबई। मेर्स्क ने अपनी 'इक्वल एट सी' पहल के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की। 2024 में शामिल होने वाले नॉटिकल और इंजीनियरिंग कैडेट्स में 45 फीसदी महिलाएं होंगी, जिससे कंपनी अपने कैडेट इनटेक में समान लिंग प्रतिनिधित्व के अपने 2027 के लक्ष्य के और करीब पहुंच गई है। कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य मेर्स्क नाविकों के बीच लैंगिक समानता हासिल करना, पूरे भारतीय समुद्री क्षेत्र के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

पिछले प्राप्तकर्ताओं में रतन टाटा, अजीम प्रेमजी, बिंदेश्वर पाठक और शबाना आज़मी जैसे दिग्गज थे

कीट-कीस के संस्थापक महान शिक्षाविद् प्रो.अच्युत सामंत ' महात्मा पुरस्कार' से हुए सम्मानित

भुवनेश्वर

नई दिल्ली में गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर कीट और कीस के संस्थापक प्रो.डॉ. अच्युत सामंत को प्रतिष्ठित 'महात्मा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। आदित्य बिड़ला समूह द्वारा प्रदान किया जाने वाला यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को सम्मानित करता है जिन्होंने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। प्रो डॉ. सामंत को इन क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए यह पुरस्कार मिला। प्रसिद्ध सीएसआर कार्यकर्ता अमित सचदेवा द्वारा शुरू किया गया महात्मा पुरस्कार 2016 से समाज विकास में योगदान देने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों और संगठनों को दिया जाता है। पिछले प्राप्तकर्ताओं में रतन टाटा, अजीम प्रेमजी, बिंदेश्वर पाठक और शबाना आज़मी जैसे दिग्गज शामिल हुए।

आदिवासी समुदायों के उत्थान पर ध्यान

पुरस्कार देने से पहले एक चयन समिति प्रत्येक नामांकित व्यक्ति के योगदान का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करती है। प्रो डॉ. सामंत, जिन्होंने शिक्षा और सामाजिक कार्यों के लिए 33 वर्षों से अधिक समय समर्पित किया है, ने असमानता को मिटाने के महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप हाशिए पर पड़े और आदिवासी समुदायों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित किया है। कीट के माध्यम से प्रो डॉ. सामंत ने पिछले तीन दशकों में इन प्रयासों को गति दी है। इस वर्ष के समारोह में विद्वान और लेखिका सुधा मूर्ति, प्रसिद्ध ओडिसी और भरतनाट्यम नृत्यांगना सोनल मानसिंह जैसी प्रमुख हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।

प्रो डॉ. सामंत ने आभार व्यक्त किया

पुदुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी और सामाजिक कार्यकर्ता राजश्री बिड़ला भी इस कार्यक्रम में मौजूद थीं। अपने भाषण में प्रो डॉ. सामंत ने आभार व्यक्त किया और पुरस्कार को कीट और कीस परिवार को समर्पित किया। उन्होंने सीएसआर गुड बुक की संपादिका और महात्मा पुरस्कार की निदेशिका मुग्धा अरोड़ा के साथ-साथ आयोजन समिति को भी इस सम्मान के लिए धन्यवाद दिया।

स्टॉक निर्माताओं के साथ एथनॉल के डिस्टीलर्स भी दिखाएंगे सक्रियता

मोटे अनाजों की आवक जिंसों और मंडियों में पकड़ेगी जोर

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

खरीफ कालीन फसल मोटे अनाजों की आवक जिंसों और मंडियों में अक्टूबर माह के मध्य से जोर पकड़ेगी। पिछले साल की तुलना में इस बार ज्वार, रागी एवं मक्का के बिजाई क्षेत्र में बढ़ोत्तरी हुई है मगर बाजरा का क्षेत्रफल कुछ पिछड़े गया है। अगले महीने से इन जिंसों की आवक जोर पकड़ेगी और मंडियों में जोरदार आपूर्ति होने पर कीमतों में तेजी पर कुछ ब्रेक लग सकता है। बाजार जानकार रोहित सुगंधीलाल जैन के अनुसार इसमें कोई शक नहीं कि मक्का की खरीद में इस बार पशु आहार, पॉल्ट्री फीड एवं स्टॉक निर्माताओं के साथ-साथ एथनॉल के डिस्टीलर्स भी काफी सक्रियता दिखाएंगे, जिससे इसकी कीमतों में ज्यादा नरमी नहीं आएगा,लेकिन यदि ज्वार-बाजरा का भाव नरम रहा तो इसका आंशिक असर मक्का के दाम पर भी पड़ सकता है।

अब नए मक्के पर खरीदारों की नजर

मनीष के अनुसार मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान सहित अन्य खपतकर्ता राज्यों में अब नए खरीफ कालीन मक्के पर खरीदारों की नजर टिकी हुई है। म्यांमार से मक्का का थोड़ा-बहुत आयात हुआ मगर बाजार भाव पर इसका कोई विशेष असर नहीं पड़ा। जहां तक बाजरा का सवाल है तो इस वर्ष जायद सीजन के दौरान इसके उत्पादन में कुछ बढ़ोत्तरी हुई थी मगर मक्का एवं गेहूं का भाव ऊंचा रहने से खपतकर्ता उद्योगों में इसकी मांग बढ़ गए। इससे अब मंडियों में इसकी भारी आवक का दबाव नहीं देखा जा रहा है। अगले 15-20 दिन में खरीफ कालीन नई फसल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

एथनॉल निर्माताओं की मक्के में मांग 40 प्रतिशत बढ़ी

मक्का कारोबारी मनीष मरेले के मुताबिक पिछले रबी सीजन के दौरान बिहार तथा उत्तर प्रदेश में मक्का की अच्छी पैदावार हुई, लेकिन एथनॉल निर्माताओं की जोरदार लिवाली के कारण मार्केट में इसका अभाव बनने लगा। एथनॉल निर्माताओं की मक्के में मांग 40 प्रतिशत तक बढ़ गई।

कल से शारदेय नवरात्रि

फलहारी का सामान खरीदने वालों को करनी पड़ेगी जेब ज्यादा ढीली

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

नवरात्रि का पर्व आने में केवल एक दिन शेष रह गया है और इसके साथ ही घरों में पूजा सामग्री आदि का प्रबंध किया जा रहा है। नवरात्रि के पर्व में कई श्रद्धालु पूरे 9 दिन का व्रत रखते हैं और फलाहार खाते हैं। हालांकि इस साल नवरात्रि के त्योहार के दौरान व्रत रखने के लिए भी ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे, क्योंकि व्रत सामग्री से लेकर इसके लिए खाने-पीने का सामान भी पिछले साल के नवरात्रि के मुकाबले ज्यादा रहने वाले हैं। व्रत रखने वालों को कई तरह की सामग्री चाहिए होती है, लेकिन खाने-पीने के सामान तक के दाम पिछले साल से ज्यादा हैं। व्रत के सामान बनाने के लिए तेल की जरूरत पड़ेगी और इस मोर्चे पर भी ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। व्रत के सामान में फलाहार के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला उत्पाद दूध है और इसकी कीमतों में बदलाव देखा जा रहा है। इसके दाम इस समय 60 से 70 रुपए प्रति लीटर के हैं और इसके चलते तरह-तरह की मिठाई, खोया वगैरह के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ेगा।

ड्राई फ्रूट्स के दाम में जोरदार उछाल

अखरोट, अंजीर, बादाम और काजू के रेट में जोरदार बढ़ोतरी हुई है और पहले की तुलना में इसके रेट में 150-200 रुपए तक का इजाफा देखा गया है।

फलों के दाम में जबरदस्त तेजी

व्रत के सामान के साथ फलों की भी बेहद जरूरत पड़ती है तो इसके लिए भी ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। सेब, अंगूर, नाशपाती, अमरूद जैसे फलों के दाम भी काफी ज्यादा ऊंचे भाव पर चले गए हैं।

खुदरा भाव पर एक नजर

मूंगफली का तेल 180 रुपए प्रति लीटर
सरसों के तेल 165 रुपए प्रति लीटर
सोयाबीन का तेल 135 रुपए प्रति लीटर
सनफ्लावर ऑयल 150 रुपए प्रति लीटर
पाम ऑयल 140 रुपए प्रति लीटर
वनस्पति ऑयल 130 रुपए प्रति लीटर
मूंगफली दाना क्वालिटीनुसार 120 -130 किलो
राम दाना 80 -100 किलो
साबूदाना 75- 80 किलो
नारियल 25-30 किलो
किशमिश 280- 350 किलो
अंजीर 800-1600 किलो
बादाम 700-850 किलो
काजू 900 -1200 किलो
अखरोट 600-700 किलो
(स्रोत्र व्यापारियों के बताए अनुसार)

भोपाल कृषि उपज मंडी में स्वच्छता अभियान

भोपाल। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत वरिष्ठालय के निर्देश पर भोपाल मंडी में स्वच्छता अभियान का प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर डीएमआई भोपाल के सहायक विपणन सलाहकार अक्षय याकूब तथा उनका समस्त स्टाफ, मंडी बोर्ड के चीफ प्रोग्रामर संदीप चौबे, सहायक संचालक योगेश नागले ,मंडी समिति भोपाल के सचिव राधिका प्रसाद गुप्ता, ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश ज्ञानचंदानी,किसान भाई, व्यापारी भाई, हम्माल, तलावटी भाई तथा मंडी का समस्त अमला उपस्थित रहा। इस अवसर पर मंडी में संलग्न सफाई मित्रों का स्वागत सम्मान भी किया गया तथा उपस्थित जनमानस से व्यापक रूप से स्वच्छता बनाए रखने की अपील तथा शपथ भी दिलाई गई।

बीएसएनएल ने 25वां स्थापना दिवस पर किया रोड शो

भोपाल। बीएसएनएल के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश स्तर पर कई प्रोग्राम आयोजित किए गए। इस संबंध में राधेश्याम परमार, मुख्य महाप्रबंधक ने जानकारी दी कि दूरसंचार विभाग से बीएसएनएल का गठन किया गया था। स्थापना दिवस पर प्रदेश स्तर पर पौधरोपण, पेंटिंग एवं स्लोगन, निबंध लेखन, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के साथ साथ पूरे प्रदेश में बीएसएनएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा रोड शो किया गया ।

एसबीआई के 100 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

भोपाल। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर एसबीआई द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक चंद्रशेखर शर्मा द्वारा किया गया। शर्मा ने सभी स्टाफ सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की। स्थानीय प्रधान कार्यालय परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल के डॉक्टरों और स्टाफ सदस्यों की सहायता से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने 100 से अधिक स्टाफ सदस्यों रक्तदान कर के इसके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस रक्तदान शिविर में महाप्रबंधक नेटवर्क-1 कुंदन ज्योति, महाप्रबंधक नेटवर्क -2 अमिताभ पारासर, महाप्रबंधक नेटवर्क -3 राम कुमार तिवारी, उपमहाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी अश्विनी कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

सेंट्रल बैंक की शाखाओं और संस्थाओं में स्वच्छता ही सेवा अभियान

भोपाल। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अपनी भिन्न-भिन्न शाखाओं व संस्थाओं के माध्यम से स्वच्छता ही सेवा अभियान आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की टीटी नगर शाखा कार्यालय परिसर में स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेंट्रलाइट्स ने स्वच्छता रैली निकालकर आम जनता को स्वच्छता जागरूकता का संदेश दिया। इसके उपरांत सभी ने व्यापक रूप से स्वच्छता श्रमदान देकर एक बड़े क्षेत्र को साफ और स्वच्छ बनाया। भोपाल अंचल प्रमुख तरसेम सिंह जीरा ने स्टाफ सदस्यों को स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया तथा स्वच्छता शपथ दिलाई। जीरा ने यह भी आव्हान किया कि हमें अपने आसपास तथा सार्वजनिक स्थानों की सफाई में भी अपना एक महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। इस मौके पर सेंट्रल बैंक के प्रमोद मिश्रा, डीके पांडेय, राजीव रंजन सिन्हा, डीके ढींगरा, नरेश अहिरवार, पंकज कुमार, जयजय राम,विजय कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

मैरिंगो सीआईएमएस ने विश्व हृदय दिवस मनाया

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं में दिल के दौरे के बढ़ते मामलों के बारे में जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की। डॉ. अनीश चंदराणा, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने युवाओं को प्रभावित करने वाले कारकों के साथ-साथ उन्हें अपनी अच्छी सेहत को बरकरार करने के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदमों के बारे में विस्तार से बताया। उनके अनुसार पिछले एक दशक में देश भर के अस्पतालों में 20 से 30 साल की उम्र की युवाओं में दिल की बीमारियों तथा दिल के दौरे के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह चिंताजनक प्रवृत्ति सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, पूरी दुनिया में है।

आइस मेक ने रखा 1 हजार करोड़ राजस्व का लक्ष्य

भोपाल। आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने 28 सितंबर 2024 को आयोजित अपनी 15वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 1,000 करोड़ रुपए के राजस्व लक्ष्य की घोषणा की। कंपनी ने उत्पादन क्षमता विस्तार और वैश्विक बाजार रणनीतियों के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कंपनी ने अपने पूंजीगत व्यय योजना (कैपेक्स) को 200 करोड़ से बढ़ाकर 250 करोड़ कर दिया है। इसमें से 100 करोड़ का निवेश पहले ही किया जा चुका है, और शेष 150 करोड़ का निवेश अगले दो वर्षों में किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य फार्मास्युटिकल्स, कृषि, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में बढ़ती मांग को पूरा करना है। कंपनी का वर्तमान ऑर्डर बुक 138 करोड़ है और आने वाले वर्षों में 25-30 फीसदी की वार्षिक वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।

भोपाल के 14 हजार हलवाई पर बढ़ा महंगाई का बोझ

लगा झटका, 49 रुपए महंगा हुआ 19 किलो ग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर

वाणिज्य प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

राजधानी के छोटे-बड़े करीब 14 हजार कमर्शियल उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ बढ़ा है। कमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो वाला) 49 रुपए महंगा हो गया है। इस बढ़ोतरी के बाद 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर राजधानी भोपाल में 1746 रुपए का हो गया है। इसके पहले इसकी कीमत 1697 रुपए थी। वहीं घरेलू गैल सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 14.2 किलो वाला घरेलू सिलेंडर अपनी पुरानी कीमत 808 रुपए 50 पैसे पर ही मिल रहा है।

आरके डिस्ट्रीब्यूटर्स गैस एजेंसी संचालक आर.के.गुप्ता और विनायक गैस एजेंसी के आरके बामोरिया ने बताया कि 19 किलोग्राम वजनी गैस सिलेंडर की कीमत सितंबर माह में बढ़ी है। राजधानी भोपाल में इसकी कीमत अब 1746 रुपए हो गई है, जो पहले 1697 रुपए थी। इस तरह इसमें 49 रुपए की मूल्यवृद्धि हुई है। लेकिन घरों में इस्तेमाल होने वाले घरेलू गैस सिलेंडर (14 किलो ग्राम) में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने शहर के छोटे-बड़े करीब 14 हजार कॉमर्शियल उपभोक्ताओं को यह महंगाई झटका है। 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर को हलवाई सिलेंडर भी कहा जाता है।

अक्टूबर में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अक्टूबर माह 2024 में बैंकिंग हॉलीडे की लिस्ट लंबी है। त्यौहार वाले महीने में बैंक कई दिनों तक बंद रहेंगे। आरबीआई हर साल राष्ट्रीय आयोजनों, क्षेत्रीय त्योहारों और सप्ताहांत की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए छुट्टियों की सूची प्रकाशित करता है। इसके तहत अक्टूबर माह में 15 दिनों के लिए बंद रहेंगे। जिसके चलते बैंक कार्यालय में जाकर किए जाने वाले कार्य छुट्टी के दिन नहीं होंगे।

लॉक्स बाय गोदरेज ने विकास की रफ्तार को किया और तेज

मुंबई। लॉक्स बाय गोदरेज एंड बॉयस ने देश के टियर 2 और टियर 3 शहरों में अपने बाजार में तेजी लाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। इन क्षेत्रों के तेजी से शहरीकरण और लोगों के डिजिटल तौर-तरीके अपनाने में वृद्धि के साथ कंपनी की कोशिश है कि सिक्योरिटी सॉल्यूशंस से संबंधित बाजार के महत्वपूर्ण हिस्से को हासिल किया जाए। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए कंपनी अपनी प्रॉडक्ट ऑफरिंग्स और रिटेल मौजूदगी को रणनीतिक रूप से बढ़ा रही है।

बिजनेस न्यूज

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में स्वयं सेवकों ने मानव श्रंखला बनाकर ली स्वच्छता की शपथ

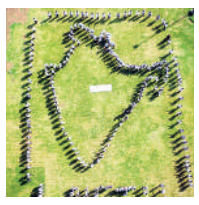

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों द्वारा मानव श्रंखला के माध्यम से भारतीय संरचना को तैयार करते हुए स्वच्छता कार्यक्रम को प्रचारित करने के लिए शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस अयोजन में फिजियोथेरेपी विभाग के अन्य छात्रों को भी शामिल होने का अवसर मिला। स्वच्छता प्रतिज्ञा में सभी ने अपने परिसर तथा अपने आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए वचन लिए हैं । कार्यक्रम की जानकारी को माय भारत पोर्टल पर भी साझा किया गया। संस्था के कुलाधीपति जय नारायण चौकसे, कुलपति डॉ. नरेंद्र कुमार थापक, कुलसचिव डॉ.अजीत कुमार सोनी ने सभी स्वयंसेवकों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें इस कार्य के लिए शुभकामनाएं दी।

छात्राओं ने मेहंदी प्रतियोगिता से दिया संदेश

भोपाल। एलएनसीटी विश्वविद्यालय की एनएसएस गर्ल्स स्वयं सेवकों ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के प्रचार के लिए मेहंदी गतिविधि का आयोजन किया। सभी नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए इन लड़कियों द्वारा हाथों पर मेहंदी डिजाइन उकेर कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस गतिविधि में स्वयं सेवक विधि जैन, मिस्बाह खान, मनमती सिंह, अंकिता भारती, रेनू सूर्यवंशी, निकिता बिस्वास, तृप्ति जायसवाल एवं अन्य ने उत्साह के साथ भाग लिया।

राधारमण आयुर्वेद कॉलेज में हैल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

भोपाल। राधारमण आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, रातीबड़ द्वारा कोटरा सुल्तानाबाद स्थित कमला नेहरू पब्लिक स्कूल में तीन

दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 900 छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ मेम्बर्स का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस शिविर का नेतृत्व आयुर्वेद विशेषज्ञा डॉ. गायत्री तेलंग ने किया। उनकी टीम में डॉ. अतुल अहिरवार, डॉ. अंकिता कुल्हरे और डॉ. स्वर्णप्रिया पटनायक शामिल थीं। शिविर के दौरान छात्रों और स्टाफ को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर राधारमण समूह के चेयरमैन आरआर सक्सेना ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज के हर वर्ग तक आयुर्वेदिक चिकित्सा के लाभ पहुंचाना हमारे संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। इस शिविर के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करना हमारी प्राथमिकता थी।

फोनपे ने जार के साथ साझेदारी में डिजिटल गोल्ड में दैनिक बचत शुरू की

नई दिल्ली। फोनपे ने डिजिटल गोल्ड की खरीद के लिए अपने प्लेटफॉर्म पर एक नया ' डेली सेविंग्स ' फीचर शुरू करने के लिए जार के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। यह उपयोगकर्ताओं को दैनिक वृद्धिशील योगदान के माध्यम से 24कैरेट डिजिटल गोल्ड में बचत करने की अनुमति देता है । 'डेली सेविंग्स' के साथ, फोनपे का लक्ष्य व्यक्तियों को डिजिटल गोल्ड में हर दिन 10 रुपए से लेकर अधिकतम 5,000 रुपए तक की राशि बचाने की अनुमति देकर लगातार बचत की आदतें विकसित करने में मदद करना है। जार का एकीकृत 'गोल्ड टेक' समाधान 45 सेकंड से कम समय में डिजिटल गोल्ड निवेश को सरल बनाता है। शुरुआत में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए अनन्य, यह अब भागीदार व्यवसायों के लिए उपलब्ध है, जिससे उनके उपयोगकर्ता डिजिटल गोल्ड में बचत कर सकते हैं।

रिलायंस जियो कर्मचारियों ने किया स्वच्छता के प्रति जागरूक

भोपाल/रायपुर। रिलायंस फाउंडेशन की पहल पर मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के रिलायंस जियो कर्मचारी स्वच्छता ही सेवा अभियान में शामिल हुए। जियो के कर्मचारियों ने मंगलवार को दोनों प्रदेश के सभी शहर में स्वच्छता अभियान चलाया। इस मौके पर कर्मचारियों ने एकजुट होकर कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरुकता का संदेश दिया। अभियान में रिलायंस जियो के भोपाल आफिस, इंदौर, एरिया ऑफिस रायपुर, ग्वालियर और जबलपुर सहित दोनों प्रदेश में स्थित 69 जियो सेंटर ऑफिस के कर्मचारियों ने भागीदारी की।

महिंद्रा यूनिवर्सिटी में आईसीपीईवी विशेषज्ञ एकत्रित हुए

नई दिल्ली। महिन्द्रा यूनिवर्सिटी ने साइबर-फिजिकल सिस्टम्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (आईसीपीईवी 2024) पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की जिसमें दुनियाभर से अनुसंधानकर्ता, वैज्ञानिक और इंजीनियर शामिल हुए। यह सम्मेलन अंतर्दृष्टि साझा करने, अनूठे विचारों के आदान प्रदान और इस क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान प्रगति पर चर्चा के लिए एक शानदार प्लेटफॉर्म साबित हुआ। इस तीन दिवसीय आयोजन में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में उभरती प्रौद्योगिकियों, बैटरी प्रबंधन प्रणाली, पावर कनवर्टर और ग्रिड इंटीग्रेशन सहित विभिन्न व्यापक विषयों पर चर्चा शामिल रही। इन वक्ताओं ने कंप्यूटेशनल इंटेलिजेंस, साइबर फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और अक्षय ऊर्जा प्रणालियों से जुड़े विषयों पर चर्चा की जो उद्योग और अकादमिक क्षेत्र की उभरती जरूरतों के अनुकूल है।

नवरात्रि स्टोर पर घर की सजावट से लेकर पूजा-पाठ तक का सामान हुआ लाइव

बेंगलुरु। इस साल अमेजन इन का नवरात्रि स्टोर ग्राहकों को अब तक का सबसे बेहतरीन शॉपिंग का अनुभव प्रदान कर रहा है। इस नवरात्रि स्टोर पर हमारे ग्राहकों को अपने प्रियजनों के लिए कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, गैजेट्स और उपहारों का शानदार कलेक्शन देखने को मिलेगा। इसके साथ ही मैंबर्स को अमेजन पर सुविधाजनक शॉपिंग का बेजोड़ अनुभव भी प्राप्त होगा। ग्राहक यहां से एथनिक कपड़ों, अप्लायंसेस, होम डेकोर, फैशन, ब्यूटी प्रोडक्ट आदि जैसे जरूरी सामानों के संग्रह है।

चीन के साथ सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं, हम पूरी तरह से तैयार हैं, सैन्य गतिरोध पर सेना प्रमुख का बड़ा बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा के मुद्दों के समाधान को लेकर चल रही बातचीत को लेकर आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जबतक 2020 से पूर्ववर्ती स्थिति बहाल नहीं होती और पूरी तरह से डिसइंगेजमेंट नहीं होता, तब तक स्थिति तनावपूर्ण है और हम ऑपरेशनल रेडी हैं। उनके इस बयान के बाद माना जा रहा है कि पर भारत-चीन विवाद सुलझाने और डिसइंगेजमेंट की खबरों को खारिज कर दिया गया है। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि चीन के साथ खासतौर से सैनिकों की वापसी (डिसइंगेजमेंट) से संबंधित लगभग 75 फीसदी समस्याएं सुलझ गई हैं। मंगलवार को नई दिल्ली में चाणक्य फोरम डॉयलॉग में

बोलते हुए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि जहां तक चीन तक संबंध है, वह लंबे समय से हमारे दिमाग के साथ साजिश रच रहा है। चीन के साथ आपको प्रतिस्पर्धा, सहयोग, सहअस्तित्व, टकराव और प्रतिस्पर्धा करनी है। उन्होंने आगे कहा कि भारत-चीन वार्ता को लेकर डिप्लोमेटिक स्तर पर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। लेकिन जब जमीनी हालात की बात आती है, तो दोनों तरफ के कोर कमांडर फैसला लेते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि सीमा पर हालात स्थिर हैं, लेकिन सामान्य नहीं हैं। अप्रैल 2020 से पहले जो भारतीय सेना की स्थिति थी, उसे बहाल किया जाना चाहिए। जब तक पूर्ववर्ती स्थिति बहाल नहीं होती, तब तक हमारे हिसाब से स्थिति संवेदनशील बनी रहेगी। हम किसी भी स्थिति के लिए ऑपरेशनल रूप से तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सबके बीच भरोसे को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि कई मसले ऐसे थे, जिन्हें सुलझाना आसान था और वह सुलझ गए हैं। जहां हालात ज्यादा मुश्किल हैं, जहां दोनों तरफ के अपने-अपने दावे हैं, वहां बातचीत चल रही है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि दोनों देशों के डिप्लोमेटिक साइड से कुछ सकारात्मक संकेत दिए गए हैं, मिलिट्री साइड साथ बैठकर बात करेंगे कि कैसे इसे जमीन पर उतारा जा सकता है। जब यह बातचीत होगी तब डेपसांग, डेमचॉक सहित नॉर्दन फ्रंट के हर पहलू पर बात होगी। वहीं, उन्होंने ग्रे जोन वारफेयर पर बोलते हुए कहा कि जंग जब होगी, तब होगी। लेकिन बीच के समय के लिए हमें तैयार रहना होगा। कारगिल, गलवां, डोकलाम युद्ध नहीं बल्कि ये ग्रे जोन वारफेयर हैं। पूरे स्तर पर एक समान सोच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन कृत्रिम बस्तियां बना रहा है। ग्रे जोन बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि तिब्बत और चीन की आबादी वास्तिविक नियंत्रण रेखा के पास नहीं है। वे आर्टिफिशियल इमिग्रेशन कर रहे हैं। उनका देश है वे जो चाहें कर सकते हैं। लेकिन साउथ चाइन सी में क्या होगा, वह हमने देखा है। पहले ग्रे जोन में मछुवारे आए, फिर उन्हें बचाने के लिए चीनी सेना आती है। इसके पीछे एक बड़ा डिजाइन है

इस्राइल ने लेबनान में उतारे टैंक-सैनिक, हिजबुल्ला की चेतावनी- हम भी तैयार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बेरूत

लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हवाई हमलों के बाद अब इस्राइल की सेना ने लेबनान में जमीनी हमला शुरू कर दिया है। इस्राइल की सेना टैंक और पैदल सैनिकों के साथ लेबनान की सीमा में दाखिल हो गई है और छापेमारी अभियान चला रही है। बीते शुक्रवार को ही इस्राइल के हमले में हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला की मौत हुई है। साथ ही इस्राइली सेना सीरिया में भी ईरान-हिजबुल्ला समर्थित संगठनों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रही है। तो आइए जानते हैं पश्चिम एशिया के हालात पर 10 ताजा अपडेट्स- इस्राइली सेना दक्षिण सीमा से लेबनान में दाखिल हुई है और फिलहाल सीमा पर मौजूद गांवों में छापेमारी अभियान चला रही है। इस्राइली सेना ने कहा है कि ऑपरेशन नॉर्दर्न एरोज के तहत गाजा के साथ-साथ अन्य जगहों पर भी सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी। इस्राइल की उत्तरी सीमा की सुरक्षा के लिहाज से इस्राइल लेबनान की दक्षिणी सीमा पर कार्रवाई कर रहा है। इस्राइल ने ताजा हवाई हमलों में बेरूत में छह ठिकानों को निशाना बनाया। जिन जगहों को निशाना बनाया गया, उनमें दक्षिण लेबनान में मौजूद एक फलस्तीनी कैंप भी शामिल है। इस्राइल के लेबनान में जमीनी हमले शुरू करने पर हिजबुल्ला के डिप्टी चीफ नईम कासेम ने हसन नसरल्ला की मौत के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कहा है कि अगर इस्राइल ने जमीन से लेबनान में दाखिल होने का फैसला किया है तो हम भी तैयार हैं। हिजबुल्ला ने लेबनान सीमा के पास इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाने की बात भी कही है। दुनिया के कई शीर्ष नेताओं और संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल के लेबनान में जमीनी हमला करने के फैसले की आलोचना की है और युद्धविराम की मांग की है। लेबनान की सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि इस्राइल और हिजबुल्ला दुनियाभर से हो रही शांति की अपील को नजरअंदाज कर रहे हैं। इस्राइल, बेरूत में हवाई हमले कर रहा है, जिसमें सैंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली सेना ने बीती शाम बेरूत में लोगों से अपील की कि वह दक्षिण इलाकों को खाली कर दें। इस्राइली सेना का कहना है कि ये उनके और उनके परिजनों के हित में है क्योंकि वे लोग हिजबुल्ला के आतंकियों के ठिकानों के नजदीक रह रहे हैं। शुक्रवार को बेरूत में इस्राइली हवाई हमले में हसन नसरल्ला की मौत के बाद भी इस्राइल के हमले जारी हैं। इस्राइल ने कहा है कि हसन नसरल्ला की मौत एक अहम जीत है, लेकिन लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। इस्राइल के रक्षा मंत्री याओव गैलेंट ने कहा है कि वे उत्तरी इस्राइल की रक्षा के लिए लड़ाई में हर उस तरीके का इस्तेमाल करेंगे, जिसकी जरूरत है। इस्राइल की उत्तरी सीमा भी लेबनान से लगती है।

दिल्ली और लद्दाख से खत्म होगा एलजी राज, बवाना थाने पहुंचीं सीएम आतिशी को सोनम वांगचुक से मिलने से रोका

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

लद्दाख से कार्यकर्ताओं के साथ यात्रा लेकर आए सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली सीमा से हिरासत में लिया गया है। इसे लेकर सियासत तेज हो गई है। मंगलवार को बवाना थाने मिलने पहुंची मुख्यमंत्री आतिशी को दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक और उनके कार्यकर्ताओं से मिलने से रोका। सोनम वांगचुक को दिल्ली आने से रोकने पर बवाना पुलिस स्टेशन के बाहर आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। साथ ही सोनम वांगचुक से मुख्यमंत्री की मुलाकात न होने देने को लेकर विरोध जताया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री आतिशी ने सोनम वांगचुक नहीं मिलने देने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा, "चुनी हुई सरकार की प्रतिनिधि, दिल्ली की मुख्यमंत्री को सोनम वांगचुक से मिलने से रोका गया है। दिल्ली और लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। दिल्ली पुलिस को एलजी साहब से आदेश मिला है कि मुझे सोनम वांगचुक से नहीं मिलने दिया जाए। सोनम वांगचुक को क्यों गिरफ्तार किया गया है और मुझे मिलने से क्यों रोका जा रहा है?" दिल्ली सीएम ने आगे कहा, "केंद्र सरकार और भाजपा लोगों की आवाज और लोकतंत्र से डरती है। मैं दावा कर रही हूं दिल्ली से एलजी राज खत्म होगा, लद्दाख से एलजी राज खत्म होगा

और केंद्र से भाजपा का राज खत्म होगा।'' बवाना पुलिस स्टेशन के भीतर पर्यावरणविद सोनम वांगचुक ने अनशन शुरू किया। आम आदमी पार्टी के विधायक जयभगवान उपकार ने बताया कि वांगचुक और उनके साथियों ने खाना-पीना छोड़ दिया है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर 700 किमी लंबी 'दिल्ली चलो पदयात्रा' निकाल रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक समेत 100 से ज्यादा लोगों को सोमवार शाम दिल्ली पुलिस ने सिंधु बार्डर पर हिरासत में लिया था। सोनम वांगचुक लद्दाख से दिल्ली तक की पैदल यात्रा पर निकले थे। दिल्ली में वह केंद्र सरकार के समक्ष अपनी बात रखना चाहते हैं।

हाईकोर्ट की राज्य सरकार को फटकार, कहा- पूजा में लाखों लोग सड़कों पर आते हैं, तो विरोध में बाधा क्यों?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोलकाता

कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को डॉक्टरों के विरोध को लेकर दायर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि पूजा में लाखों लोग सड़कों पर आते हैं। फिर लोग विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं तो इसमें राज्य सरकार को क्या परेशानी है। इसमें बाधा क्यों डाली जा रही है। जिस तरह से पूजा में सुरक्षा के प्रबंध किए जाते हैं, ठीक वैसा ही प्रबंध इसमें भी किया जाना चाहिए। यह कहते हुए हाईकोर्ट के न्यायाधीश राजर्षि भारद्वाज ने मंगलवार को कॉलेज स्क्वायर से रवींद्र सदन तक मार्च की अनुमति दी है। अनुमति शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक के लिए दी गई है। कोर्ट के निर्देश हैं कि मार्च में पर्याप्त स्वयंसेवक होने चाहिए। उल्लेखनीय है कि मार्च के लिए डॉक्टर हाईकोर्ट गए थे। सरकार ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाए की मार्च में कितने लोग शामिल होंगे। इस पर डॉक्टरों के पक्ष के वकील विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा, 'हम अपने सदस्यों की संख्या बता सकते हैं, लेकिन अगर आम लोग मार्च में शामिल होते हैं, तो उनकी संख्या हम कैसे बता सकते हैं।' इसके बाद न्यायाधीश भारद्वाज ने राज्य को आम लोगों के संवैधानिक अधिकार की याद दिलाई। उन्होंने कहा, 'मान लीजिए इस मार्च में 10 लाख आम नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताने के लिए स्वैच्छिक रूप से शामिल होते हैं। क्या वे विरोध नहीं कर सकते। यह तो उनका

संवैधानिक अधिकार है।' अपने अनुभव का जिक्र करते हुए न्यायाधीश ने कहा, जो लोग दुर्गापूजा करते हैं, क्या उन्हें पता है कि कितने दर्शक आएंगे। जैसे सुरुचि संघ। पिछले साल मैं गया था। हजारों लोग आते हैं। पुलिस और स्वयंसेवक होते हैं। पुलिस अच्छे से नियंत्रण करती है। न्यायाधीश ने कहा, दुर्गापूजा के दौरान लाखों लोगों की भीड़ को पुलिस जिस तरह से नियंत्रित करती है, विरोध मार्च को भी उसी तरह नियंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य के एडवोकेट जनरल की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं और आप दोनों यहां बचपन से हैं। दुर्गापूजा के समय लाखों लोग सड़कों पर आते हैं। पुलिस पिछले 45-50 वर्षों से कुशलता से सब कुछ नियंत्रित कर रही है। लोग शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करें, और पुलिस भी नियंत्रण करे। साथ ही न्यायाधीश ने राज्य से कहा, अगर पूरे शहर में धारा 144 लागू कर दी जाए, तो फिर कहीं भी बैठक या मार्च नहीं होगा

यूएनजीए में गूंजा भारत का समर्थन, विश्व नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की वकालत की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा न्यूयॉर्क

इस साल हुई 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (हृन्नू79) में सबसे ज्यादा दो मांगे गूंजी। पहली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार लाने और दूसरा भारत को स्थायी सीट देने की मांग की गई। भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिले इसके लिए दुनिया भर के कई देश समर्थन दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का विस्तार करने के लिए विश्व नेताओं के बीच आम सहमति बनती दिखी। भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने की वकालत करने वाले देशों की सूची में रूस, अमेरिका, फ्रांस, पुर्तगाल और ब्रिटेन हैं। इन देशों के नेताओं ने स्थायी सदस्य के तौर पर भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा किया। इसमें भारत की उम्मीदवारी के लिए विश्व नेता समर्थन करते हुए दिखाई दिए। वीडियो के साथ-साथ भारत के स्थायी मिशन ने लिखा, 'यूएनजीए-79 में एक मूलमंत्र। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, दोस्तों और भागीदारों।' वीडियो में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लौरेंको ने तुरंत सुधार पर जोर दिया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सुधार दक्षिण देशों (अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और भारतीय उपमहाद्वीप) को आवाज देने के लिए जरूरी प्रतीत होता है। वहीं, चिले के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने इस सुधार के लिए एक समय सीमा निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, 'जब संयुक्त राष्ट्र अपना 80वां जन्मदिन मनाएगा, तो सुरक्षा परिषद में लैटिन अमेरिका, भारत और अफ्रीका से कम से कम एक देश शामिल होगा।' फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए अपने देश के समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा, 'मैं फिर से दोहराता हूं कि फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है। जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को स्थायी सदस्य होना चाहिए।' रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी इसी तरह का समर्थन जाहिर किया। उन्होंने कहा कि हम ब्राजील और भारत की उम्मीदवारी के पक्ष में अपनी स्थिति का समर्थन करते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने प्रतिनिधित्व की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'विकासशील देशों का बेहतर प्रतिनिधित्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार होना जरूरी है। संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि इसमें अफ्रीका के लिए दो स्थायी सीटें, छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के लिए एक सीट और जर्मनी, जापान और भारत जैसे देशों के लिए स्थायी सीटों के अलावा लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के लिए स्थायी प्रतिनिधित्व शामिल होना चाहिए, जिनका हम लंबे समय से समर्थन करते रहे हैं।

नासिक की कोर्ट ने राहुल को किया तलब, सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों से जुड़ा है मामला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

महाराष्ट्र के नासिक जिले की एक अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को तलब किया है। राहुल को हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में तलब किया गया है। नासिक की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपाली परिमल कडुस्कर ने 27 सितंबर को पेश होने के लिए राहुल को समन (नोटिस) जारी किया है। नोटिस में कहा गया कि एक देशभक्त व्यक्ति के खिलाफ दिया गया बयान प्रथम दृष्टया मानहानिकारक लगता है। मामले की अगली तारीख पर राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से या अपने कानूनी प्रतिनिधि के माध्यम से पेश होना होगा। इस पर अभी फैसला होना बाकी है। मामले में शिकायतकर्ता एक एनजीओ के निदेशक हैं। उनका दावा है कि उन्होंने हिंगोली में राहुल की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और नवंबर 2022 में कांग्रेस नेता का भाषण भी देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल ने दोनों मौकों पर वीर सावरकर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया और समाज में उनकी छवि को बदनाम करने की भी कोशिश की। उन्होंने कहा कि आरोपी के भाषण और प्रेस बयानों से शिकायतकर्ता के आदर्श

स्वातंर्त्यवीर सावरकर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। इतना ही नहीं आजादी से पहले के समय में सावरकर द्वारा किए गए नेक कामों के साथ-साथ समाज के प्रति उनके योगदान को भी बदनाम किया गया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, राहुल ने कहा कि 'सावरकर भाजपा और आरएसएस के जिन हैं।' यह अपमानजनक था। राहुल ने आगे आरोप लगाया कि 'सावरकर ने हाथ जोड़कर रिहाई की प्रार्थना की और बाद में ब्रिटिश सरकार के लिए काम करने का वादा किया।' कोर्ट ने सभी दलीलों पर विचार करने के बाद कहा कि रिकॉर्ड को देखते हुए ऐसा लगता है कि अभियुक्त के एक देशभक्त व्यक्ति के खिलाफ दिए गए बयान प्रथम दृष्टया अपमानजनक लगते हैं। मजिस्ट्रेट ने कहा कि मामले में आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार हैं।

मेरी विश्वसनीयता दांव पर, आप गुमराह नहीं कर पाओगेः सीजेआई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आज वकीलों की एक नई प्रथा पर नाराजगी व्यक्त की है। सीजेआई ने कहा कि विभिन्न वकील एक ही मामले को बार-बार बेंच के सामने लाकर तारीख मांगते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वकील इस तरह की तरकीबें अपनाकर "अदालत को बरगलाने" में सक्षम नहीं होंगे। लाइव लॉ के अनुसार, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने एक वकील के खनन पट्टे की समाप्ति से संबंधित मामले पर सुनवाई की। इस बीच पीठ ने पाया कि ये मामला कल भी उनके समक्ष उठाया गया था। इसपर मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उपयुक्त आदेश पाने के लिए एक ही मामले को बार-बार उठाने की प्रथा को अब रोकने की जरूरत है। सीजेआई ने कहा कि यह एक नई प्रथा है। अलग-अलग वकील एक ही मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पेश करते हैं और एक बार जज की पलक झपकते ही आपको कोई तारीख मिल जाती है। यह एक ऐसी प्रथा है जो उभर रही है।

सीजेआई ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश के तौर पर मेरे पास जो थोड़ा-बहुत विवेक है, उसका इस्तेमाल कभी भी आपके पक्ष में नहीं किया जाएगा। आप अदालत को बरगलाने में सक्षम नहीं होंगे। मेरी व्यक्तिगत विश्वसनीयता दांव पर है। मुझे सभी के लिए मानक नियमों का पालन करना होगा। हाल ही में कई सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश ने बारी-बारी से मामलों का उल्लेख करने वाले वकीलों की खिंचाई की है। उन्होंने बार-बार उनसे प्रक्रिया का पालन करने, आवेदन दायर करने और उसके अनुसार मामले को उठाने के लिए कहा है।

पुणे में मराठा कार्यकर्ताओं ने की लक्ष्मण हाके से मारपीट, 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

महाराष्ट्र के पुणे में ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके के साथ मराठा कार्यकर्ताओं ने मारपीट की। उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। पुलिस ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी। सोशल मीडिया पर भी इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। सोमवार की रात को कोंढवा के पास हुए हमले के बाद 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में मराठा कार्यकर्ताओं को हाके के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए देखा गया। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि हाके नशे में हैं और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। कोंढवा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके के साथ दुर्व्यवहार के मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

हाथरस सत्संग हादसाः 3200 पेज की चार्जशीट में 11 लोगों को बनाया आरोपी और 676 गवाह, सुनवाई 4 अक्तूबर को

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हाथरस

हाथरस के सिकंदराराऊ में सत्संग में मची भगदड़ में हुई 121 लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने 1 अक्टूबर को चार्ज शीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। 3200 पेज की इस चार्जशीट में 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसका संज्ञान लेने और सुनवाई के लिए 4 अक्तूबर की तारीख नियत की गई है। 10 आरोपियों की न्यायालय में पेशी भी हुई। घटना के बाद पुलिस ने पुलिस मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर, मेघ सिंह, मुकेश कुमार, मंजू देवी,मंजू यादव, राम लड़ेते, उपेंद्र सिंह,संजू कुमार, राम प्रकाश शाक्य, दुर्वेश कुमार और दलवीर सिंह को गिरफ्तार किया था। इनमें महिला मंजू देवी और मंजू यादव की हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत स्वीकृत हो चुकी है। इनमें जमानत का सत्यापन नहीं होने और आदेश कोर्ट में नहीं पहुंचने के कारण अभी वह रिहा नहीं हो पाई है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार त्रिपाठी के न्यायालय में 10 आरोपियों की शाम करीब 4:00 बजे पेशी हुई। गत 2 जुलाई को सिकंदराराऊ के गांव फुलरई मुगलगढ़ी में नारायण साकार हरि भोले बाबा उर्फ सूरजपाल के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। उनका काफिला निकालने के लिए सेवादरों ने भीड़ को रोक दिया था, इस दौरान उनकी चरण रज लेने की होड़ में लोग गिरते गए। इस मामले में पुलिस ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस हादसे में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर सहित अन्य सेवादारों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, प्राणघातक हमला करने, गंभीर चोट पहुचाने, लोगों को बंधक बनाने, निषेध्याज्ञा का उल्लंघन करने और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इन पर यह भी आरोप था कि सत्संग में 80 हजार लोगों के जुटने की शर्त का उल्लंघन कर ढाई लाख लोगों की भीड़ जुटाई। यातायात प्रबंधन में भी मदद नहीं की। इस हादसे के संबंध में दर्ज कराई गई एफआईआर में नारायण साकार हरि भोले बाबा उर्फ सूरजपाल का नाम नहीं था। चार्जशीट भी फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ ही दी गई है। जानकारी के अनुसार इसमें बाबा का नाम नहीं है।

राष्ट्रपति ने साइबर हमले को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया, कहा- मजबूत प्रणाली जरूरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि साइबर हमले राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाओं और सशस्त्र बलों को मिलकर एक सुरक्षा प्रणाली बनाने की जरूरत है, ताकि इन हमलों को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सिर्फ सीमाओं की रक्षा करने तक सीमित नहीं है। बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, उर्जा और साइबर सुरक्षा जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भी इसमें शामिल हैं। मुर्मू ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के संकाय और सदस्यों को राष्ट्रपति भवन में संबोधित किया। उन्होंने कहा, इन चिंताओं का समाधान करने के लिए गहन शोध की जरूरत है और इन मुद्दों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाना होगा। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि साइबर हमलों का सामना करने के लिए उच्च तकनीकी हस्तक्षेप और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे की जरूरत है। साथ ही प्रशिक्षित और विशेषज्ञता रखने वाला मानव संसाधन जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, यह मुद्दा देश के शासन ढांचे को प्रभावित करता है। नागरिक सेवाओं और सशस्त्र बलों को मिलकर इस खतरे को रोकने के लिए एक मजबूत प्रणाली बनानी होगी। मुर्मू ने यह भी बताया कि शासन प्रणालियों में बड़े पैमाने पर डाटा और संवेदनशील जानकारी उपलब्ध है, जिसे असुरक्षित नहीं

छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे की गंभीरता को समझने और ठोस उपाय करने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि सशस्त्र बलों की भूमिका पारंपरिक सैन्य मामलों से आगे बढ़ चुकी है और भविष्य के युद्धों के लिए एक बहु-राज्य और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण की जरूरत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न संगठन और विभाग अलग-अलग कार्य करते हैं, जिससे लक्ष्यों को हासिल करने में मुश्किलें होती हैं। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम का मकसद अधिकारियों को सहयोग बढ़ाने और कार्यकुशलता के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल में कई चुनौतियां हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस जैसी तकनीक के तेजी से विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की आवश्यकता है।

बिहार के भागलपुर में बम धमाका, पास में खेल रहे 6 बच्चे जख्मी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भागलपुर

बिहार में भागलपुर के हबीबपुर थानाक्षेत्र के खिलाफत नगर में मंगलवार की सुबह 11.26 बजे हुए बम धमाके में सात बच्चे जख्मी हो गए। धमाका उस समय हुआ जब मोहल्ले में खेल रहे बच्चे के हाथ में एक गेंदनुमा वस्तु लग गई। जो कि उसे पास के कूड़े के ढेर में मिली थी। उसे गेंद समझ स्थानीय मुहम्मद इरशाद के पुत्र मुहम्मद मन्ना ने नीचे पटक दिया, जिससे तेज धमाका हुआ। इस तेज धमाके में उसके साथ मौजूद उसका भाई गोलू के अलावा मुहम्मद आरिफ, मुहम्मद शाहीन और मुहम्मद छोटी, मुहम्मद राजा और समर जख्मी हो गया। घायलों में मन्ना और गोलू की हालत चिकित्सकों ने नाजुक बताई है। शेष पांच बच्चों को गले, पेट और हाथ में बम के स्पिलंटर लगने से मामूली रूप से जख्मी हैं। अचानक तेज धमाके की आवाज सुन मोहल्ले के लोग दौड़ लगा वहां पहुंचे तो देखा खून से लथपथ बच्चे जमीन पर पड़े कराह रहे थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा